मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 322
सोमवार, 16 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश से आठ लोगों की मौत, तटीय जिलों में अलर्ट जारी

मुंबई, 15 जून। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश के चलते रविवार को आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें से अधिकतर की मौत बिजली गिरने से हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने रत्नागिरि और रायगढ़ जैसे तटीय जिलों के लिए रेड अलर्ट और पालघर, ठाणे, सिंधुदुर्ग तथा पुणे, सातारा और कोल्हापुर के घाट के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम राहत एवं बचाव कार्यों के लिए तैनात की गई हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, बीते 24 घंटे में पूर्वाह्न 11 बजे तक रत्नागिरि में सबसे अधिक 88.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके बाद रायगढ़ में 65.3 मिमी, सिंधुदुर्ग में 43.8 मिमी, ठाणे में 29.6 मिमी और यवतमाल में 27.5 मिमी वर्षा हुई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में आठ लोगों की जान गई है और दस लोग घायल हुए हैं। मुंबई, सिंधुदुर्ग, धुले, नासिक, संभाजीनगर, नंदुरबार और अमरावती में मौत की घटनाएं हुईं, जिनमें से अधिकतर मौत आसमानी बिजली गिरने के कारण हुईं। कोंकण क्षेत्र की प्रमुख नदियों में रत्नागिरि जिले की जगबुड़ी नदी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही है। आपदा प्रबंधन रिपोर्ट में कहा गया है यदि जलस्तर और बढ़ता है तो नदी के किनारे बसे खेड़, अलसुरे, चिंचघर और प्रभुवाडी गांव प्रभावित हो सकते हैं।

कांग्रेस ने पाकिस्तान को परमाणु संपन्न देश बनने देकर ऐतिहासिक भूल की : हिमंत विश्व शर्मा

असम, 15 जून। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1980 के दशक में कोई कार्रवाई करने के बजाय पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनने दिया जो एक ऐतिहासिक भूल थी। शर्मा ने दावा किया कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई को रोकने के लिए परमाणु धमकी का इस्तेमाल कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ऐसे समय में जब आज विभिन्न देश परमाणु खतरों को बेअसर करने के लिए निर्णायक रूप से काम कर रहे हैं, 1980 के दशक के दौरान भारत की दुखद निष्क्रियता एक चेतावनी भरी कहानी है कि क्या हो सकता था, और क्या नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह किसी अवसर को गंवाने जैसा था क्योंकि रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पास ठोस खुफिया जानकारी थी, जो कहुटा संयंत्र में पाकिस्तान की यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों की पुष्टि करती थी।

कांग्रेस की ऐतिहासिक भूल : भारत ने पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न देश कैसे बनने दिया शीर्षक वाले पोस्ट में शर्मा ने दावा किया कि इजराइल ने कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी से लेकर संयुक्त हमले की योजना तक मदद की पेशकश की थी। उन्होंने कहा कि जामनगर वायुसेना अड्डे को संभावित लॉन्चपैड के रूप में चुना गया था और भारतीय सेना कहुटा पर हवाई हमले के लिए पूरी तरह से तैयार थी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, भारत के पास खतरे को वास्तविकता बनने से पहले खत्म करने की क्षमता और आम सहमति थी। फिर भी आखिरी समय में इंदिरा गांधी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परिणामों के डर से हिचकिचाहट दिखाई।

भारत में अवैध रूप से रह रहे आठ नागरिकों को दो साल की सजा

ठाणे, 15 जून। महाराष्ट्र के ठाणे की एक अदालत ने भारत में अवैध रूप से रह रहे म्यांमा के आठ नागरिकों को दो साल के कारावास की सजा सुनाई और यह अवधि पूरी होने के बाद उन्हें देश से निष्कासित करने का भी आदेश दिया।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जी टी पवार ने 10 जून को सुनाए गए फैसले में कहा कि संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) द्वारा जारी किए गए शरणार्थी कार्ड भारत में रहने के लिए वैध नहीं माने जा सकते क्योंकि भारत ने 1951 की शरणार्थी संधि पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं। फैसले की प्रति शनिवार को उपलब्ध हुई।

अदालत ने आठों लोगों को विदेशी (नागरिक) अधिनियम, 1946 के तहत दोषी करार दिया और प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। एक अन्य आरोपी रियाज अहमद अकबर अली शेख, जो भारतीय नागरिक है को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। उसपर इन लोगों की मदद करने का आरोप था।

मामले के अनुसार, ठाणे जिले के उत्तन सागरी पुलिस ने 26 फरवरी 2024 को गुप्त सूचना के आधार पर चौकगांव जेट्टी पर छापा मारा, जहां से म्यांमा के आठ नागरिकों को पकड़ा गया था।न्यायाधीश ने फैसले में कहा, हालांकि, आरोपी संख्या एक से आठ के पास यूएनएचसीआर कार्ड हैं... लेकिन भारत संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी समझौता, 1951 और उसके 1967 प्रोटोकॉल का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है...ऐसे में, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि ये सभी आरोपी विदेशी हैं और बिना वैध दस्तावेजों के भारत में प्रवेश कर यहां रह रहे हैं। न्यायालय ने आदेश दिया कि आठों दोषियों को उनकी सजा पूरी होने के बाद म्यांमा वापस भेज दिया जाए।

शिक्षा, स्कॉलरशिप और कौशल विकास योजनाएं हैं अल्पसंख्यकों के उत्थान की रीढ़ : दानिश आजाद

- हज यात्रियों की घटती संख्या पर जताई चिंता, कहा– सरकार उठाएगी ठोस कदम
- बिना भेदभाव हर वर्ग को जोड़ने की नीति पर चल रही है मोदी-योगी सरकार

सुरेश गांधी

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (अल्पसंख्यक कल्याण) दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अल्पसंख्यक समाज को भी विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास हो रहा है। सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र को आत्मसात करते हुए बिना भेदभाव सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

श्री अंसारी रविवार को भदोही के महबूबपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह आयोजन वरिष्ठ भाजपा नेता सरवर सिद्दीकी द्वारा श्री हाजी अब्दुल बारी अंसारी की स्मृति में किया गया था, जिसमें क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी व गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समाज के लिए शिक्षा, रोजगार, छात्रवृत्ति, कौशल विकास जैसी अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुँचे, इसके लिए विभागीय स्तर पर विशेष अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

मंत्री अंसारी ने हज यात्रा 2025 की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से हज पर जाने वाले यात्रियों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में कमी आई है, जो चिंताजनक है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हज व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल और यात्री हितैषी बनाने के लिए आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

कार्यक्रम में हाजी जमील अंसारी, अब्दुल रहमान अंसारी, जरार अंसारी, तौहीद अंसारी, मोहम्मद याकूब प्रधान सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने मंत्री श्री अंसारी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और अल्पसंख्यक समाज के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम संयोजक सरवर सिद्दीकी ने कहा कि श्री अंसारी जैसे प्रतिनिधि समाज के हर तबके को जोड़ने और जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं, जो सराहनीय है।

आतंकवादियों के मुख्यालयों को कर दिया गया जमींदोजः अमित शाह

लखनऊ, 15 जून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में एक भव्य समारोह में शामिल हुए, जहां उन्होंने उत्तर प्रदेश के 60,244 नवचयनित पुलिस रिक्रूटों को नियुक्ति पत्र वितरित की। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। यह भर्ती अभियान उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे बड़ी एकल पुलिस भर्ती पहल है। नवचयनित रिक्रूटों में 48,196 पुरुष और 12,048 महिलाएं हैं। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के राज में हर दिन आतंकवादी हमले होते थे। पीएम मोदी के राज में पाकिस्तान ने तीन बार भारत पर हमला करने की कोशिश की।

शाह ने कहा कि जब उन्होंने उरी में कोशिश की तो उनका सर्जिकल स्ट्राइक किया गया। पुलवामा के बाद उनका एयर स्ट्राइक किया गया और पहलगाम के बाद ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादियों के मुख्यालयों को जमींदोज कर दिया गया। पीएम मोदी ने पूरे देश को संदेश दिया कि भारत का खून बहाने के लिए नहीं है और जो भी ऐसा करने की हिम्मत करेगा, उसे सजा मिलेगी। अमित शाह ने कहा कि हमने महिलाओं के लिए जो आरक्षण दिया था, उसे उत्तर प्रदेश में पूरी तरह लागू किया गया है। अगर मैं पीएम मोदी के शब्दों का इस्तेमाल करूं तो आप 'अमृतकाल' में यूपी पुलिस में शामिल होने जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि आज मेरे सामने बैठे युवाओं के जीवन का सबसे शुभ दिन है क्योंकि आज उत्तर प्रदेश के हर जाति, समुदाय और जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 हजार से ज्यादा युवा भारत के सबसे बड़े पुलिस बल का सक्रिय हिस्सा बनने जा रहे हैं। राज्य की कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही थी। लेकिन 2017 में राज्य में भाजपा की सरकार बनने और योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस फिर से नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर हो गई। शाह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आज तक पुलिस बल में भर्तियां जाति के आधार पर होती थीं। लेकिन आज तकनीक के माध्यम से पारदर्शिता के कारण आप सभी की नियुक्ति हुई है।

आज उउळश कैमरे हैं, कंट्रोल रूम हैं, कमांड सेंटर हैं, ढउफ डल्ली है, 150 से ज्यादा ऋछ यूनिट हैं। आप सभी को इसे आगे बढ़ाना है।

फरुर्खाबाद में ट्रक ने पुलिस वाहन को टक्कर मारी, छह पुलिसकर्मी घायल

फरुर्खाबाद। फरुर्खाबाद जिले में रविवार सुबह एक ट्रक ने पुलिस वाहन को टक्कर मार दी जिससे उसमें सवार छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा सुबह छह बजे कमालगंज थाना क्षेत्र में उबरी खेड़ा मोड़ पर उस समय हुई जब पुलिसकर्मी सरकारी वाहन से लखनऊ जा रहे थे। घायल पुलिसकर्मियों की पहचान मयंक तिवारी (41), बॉबी (33), सोनू (36), प्रदीप चौधरी (32), जितेंद्र सक्सेना (54) और प्रवेंद्र मलिक (55) के रूप में हुई है। पुलिसकर्मियों को लखनऊ के एक अस्पताल में ले जाया गया है।

ईरान में भारतीय दूतावास ने भारतीयों के लिए जारी किया हेल्पलाइन नंबर और टेलीग्राम लिंक

ईरान। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, ईरान में भारतीय दूतावास ने कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और ईरान में वर्तमान में भारतीय नागरिकों के साथ संचार के लिए एक टेलीग्राम लिंक भी बनाया है। एक्स पर कई पोस्ट में विवरण साझा करते हुए दूतावास ने कहा कि टेलीग्राम लिंक केवल ईरान में भारतीय नागरिकों के लिए है। ईरान में भारतीयों से अनुरोध है कि वे भारतीय दूतावास से स्थिति पर अपडेट प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित लिंक से जुड़ें - https://t.me/indiansiniran. एक्स पर कहा गया है हम ईरान में सभी से अनुरोध करते हैं कि दूतावास से स्थिति पर अपडेट प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए टेलीग्राम लिंक से जुड़ें।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

सिर चढ़कर बोलने लगा क्रिकेट का जादू

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने सोचा कि आई.पी.एल. के 2025 संस्करण में आर.सी.बी. की जीत से उसे राजनीतिक लाभ मिलेगा। जबकि यह दुर्भाग्यपूर्ण साबित हुआ। यदि मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री ने अपने पद का त्याग करके इस्तीफा दे दिया होता तो इससे छुटकारा मिल सकता था। इसने शीर्ष पुलिस नेतृत्व का बलिदान देकर आर.सी.बी. टीम और क्रिकेट प्रबंधकों को निशाना बनाने का विकल्प चुना! यह एक स्वार्थी निर्णय था जिसका पार्टी पर निश्चित रूप से उल्टा असर पड़ेगा।

वैस्टइंडीज के लेखक वी.एस.नायपॉल ने क्रिकेट को विशेष स्थान प्रदान किया था क्योंकि इसने उनके अपने देशवासियों पर जादू कर दिया था। सर विद्याधर ने लिखा, वैस्टइंडीज क्रिकेट है और क्रिकेट ही वैस्टइंडीज है। इस शताब्दी में यह दायित्व भारत को सौंप दिया गया है। पिछले दशक में विदेशी धर्मों के प्रति घृणा ने देश के आधे हिस्से को जकड़ लिया है। जहां तक मुझे याद है, क्रिकेट के प्रति प्रेम लगभग सभी नागरिकों में व्याप्त रहा है। जब भारतीय टीम कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलती है तो हम सभी टैलीविजन से चिपके रहते हैं। जब मुंबई इंडियंस (एम.आई.) खेलती है तो मैं देखता हूं। मैं 96 वर्षीय मुम्बई निवासी नागरिक हूं।

आई.पी.एल.(इंडियन प्रीमियर लीग) टी-20 क्रिकेट टीमें गठित की जाती हैं, कुछ राज्य स्तर पर (गुजरात, राजस्थान, पंजाब)लेकिन ज्यादातर शहर स्तर पर (मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद,चेन्नई, कोलकाता,दिल्ली, लखनऊ)। इस व्यवस्था की खूबसूरती यह है कि प्रत्येक टीम के खिलाडि ?ों को पूरे भारत से तथा नीलामी के माध्यम से अन्यत्र से चुना जाता है। आर.सी.बी. यानी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलूर टीम में बेंगलुरु या यहां तक कि राज्य (कर्नाटक) से एक भी खिलाड़ी नहीं था। फिर भी, राज्य के लोगों और उसकी सरकार ने टीम पर स्वामित्व का दावा किया क्योंकि वह जीत गई। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार, आर.सी.बी.की जीत से उत्पन्न गौरव में डूब गई और उसने आदेश जारी किया कि बेंगलुरू हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पूरी टीम को मंत्रिमंडल और विधायकों द्वारा औपचारिक स्वागत के लिए विधान सभा ले जाया जाए। इसने पुलिस को फोन पर मौखिक रूप से आदेश जारी किया कि वे बंदोबस्त की योजना बनाने के लिए समय की कमी के बावजूद अस्थायी व्यवस्था में पूर्ण सहयोग करें।

विजेता टीम ने पहले ही इंस्टाग्राम पर एक संदेश पोस्ट कर दिया था कि विजय परेड का आयोजन किया जाना चाहिए। यह संदेश उस दिन सुबह 7 बजे आया था। विधानसभा में टीम को सम्मानित करने की योजना सुबह 10:30 बजे अंतिम रूप से दी गई। क्रिकेट की जीत हर समर्थक को उत्साहित करने की क्षमता रखती है, यहां तक कि उन लोगों को भी जिन्होंने कभी बल्ला या गेंद नहीं संभाली हो। किसी भी स्थिति में, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त संदेश को पुलिस के शीर्ष अधिकारियों द्वारा नजरअंदाज नहीं किया जा सकता था। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से पुलिस आयुक्त से इस अवसर पर उचित कदम उठाने की अपेक्षा की। जब दुर्भाग्यपूर्ण आपदा घटित हुई तो उन्होंने तुरंत जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया और आयुक्त तथा 4 अन्य को निलंबित कर दिया। उन्होंने इस आपदा के लिए जिम्मेदार घटनाओं के विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग भी नियुक्त किया।

ऐसा करके उन्होंने सोचा कि उन्होंने उस परिणाम से अपने हाथ धो लिए हैं जो सामान्यतः उनके और उनकी सरकार के कंधों पर आता। मैं इस बात से सहमत हूं कि पुलिस बेहतर काम कर सकती थी लेकिन सरकार को विधान सभा में अनावश्यक स्वागत का बोझ पुलिस पर नहीं डालना चाहिए था। उस स्थल पर अनेक कार्मिक तैनात किए गए होंगे। यदि वहां कोई छोटी सी दुर्घटना भी घट जाती तो बहुत बड़ा हादसा हो जाता। यदि सरकार और उस सरकार को चलाने वाली पार्टी आर.सी.बी.का श्रेय लेना चाहती थी तो क्या यह सच है? जीत के लिए उन्हें उस शाम क्रिकेट स्टेडियम में हुई आपदा की जिम्मेदारी लेने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में रेल मंत्री थे,जब एक बड़ी रेल दुर्घटना घटी। एक कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति होने के नाते उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री येदुरप्पा या अधिक उपयुक्त रूप से उपमुख्यमंत्री जो विधान सभा समारोह में सबसे अधिक दिखाई देने वाले गण्यमान्य व्यक्ति थे, जिन्हें क्रिकेटरों के सिर पर फेटाऔर कंधों पर शॉल डालते हुए देखा गया था को लाल बहादुर शास्त्री जैसे महान राजनेता की भावना के अनुरूप पद छोड़ देना चाहिए था। इस कदम से लोग शांत हो गए होंगे। आर.सी.बी. के खिलाफ अपराध दर्ज करने में मुख्यमंत्री और पुलिस की जल्दबाजी भरी प्रतिक्रिया थी। कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि टीम और उसका प्रबंधन चिंताजनक है। मैं आशा करता हूं कि समझदारी भरी सलाह काम आएगी और विराट कोहली तथा उनकी टीम के साथियों को आई.पी.एल. जीतने के कारण अलग-अलग पुलिस थानों में बंद नहीं किया जाएगा। बताया गया कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में 3 लाख क्रिकेट प्रेमी आए जबकि इसमें केवल 35,000 दर्शकों की क्षमता है। इसका पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए था। राज्य के गृह मंत्री को व्यक्तिगत रूप से पुलिस व्यवस्था की निगरानी करनी चाहिए थी। मुंबई शहर पुलिस को ऐसी विशाल भीड़ से निपटने का काफी अनुभव है। जब कपिल देव की टीम 1983 में लॉर्ड्स में विश्व कप में वैस्टइंडीज पर जीत हासिल करने के बाद वापस लौटी तो विजेता टीम का स्वागत करने के लिए मुम्बई के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से लेकर वानखेड़े स्टेडियम तक भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी, जहां फाइनल का जश्न मनाया गया था।

-जूलियो रिबैरो (पूर्व डी.जी.पी. पंजाब व पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी)

जाति जनगणना तय करेगी भावी राजनीति

नरेंद्र मोदी सरकार ने जाति जनगणना प्रक्रिया की औपचारिक घोषणा कर दी है। घोषित कार्यक्रम से स्पष्ट है कि प्रक्रिया लम्बी चलेगी और भावी राजनीति पर दूरगामी असर डालेगी। भारत सरकार की घोषणा के मुताबिक अप्रैल से सितम्बर, 2026 तक घरों को सूचीबद्ध किया जाएगा। उसके बाद लोगों की गिनती होगी। दरअसल जाति जनगणना दो चरणों में होगी। एक अक्तूबर, 2026 से पहले चरण में पहाड़ी राज्यों (जम्मू-कश्मीर,लद्दाख,हिमाचल और उत्तराखंड) में जनगणना होगी। दूसरे चरण में एक मार्च, 2027 से शेष सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जनगणना होगी। जाहिर है, भारत जैसे विशाल देश में जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने और अंतिम आंकड़े आने में लंबा समय लग सकता है। ऐसे में इस साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव ही नहीं, अगले साल होने वाले असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल एवं पुडुचेरी तथा 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड,पंजाब, मणिपुर, गुजरात और गोवा विधानसभा चुनाव भी जाति जनगणना के शोर और उसके श्रेय के दावों-प्रतिदावों के बीच ही निपट जाएंगे। बेशक इसके बचने का कोई विकल्प नहीं है। हमारे राजनीतिक दल तो वैसे भी हर मुद्दे को चुनाव में भुनाने में माहिर हैं। नियमानुसार यह जनगणना 2021 में होनी थी लेकिन कोरोना आ गया। कोरोना के बीच ही सावधानियों के साथ कई राज्यों में चुनाव तो कराए गए लेकिन जनगणना नहीं। 5 साल विलंब से लंबित जनगणना में अब जातियों की गणना भी की जाएगी। हमारे देश में जाति जनगणना भले ही आजादी के बाद पहली बार हो रही हो, पर उस पर राजनीति पुरानी है। कांग्रेस और भाजपा, दोनों की छवि अतीत में जाति जनगणना विरोधी की रही है लेकिन अब वे ही उसका श्रेय लेना चाहते हैं। सरकार, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जाति जनगणना को देश और समाज की विकास योजनाओं के लिए उपयोगिता से जोड़ कर पेश कर रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी कह रहे हैं कि यह तो पहला कदम है, हमें आगे जा कर पता करना है कि उच्च पदों में किसकी कितनी हिस्सेदारी है।

सामाजिक न्याय के नाम पर राजनीति करने वाले लालू यादव, नीतीश कुमार और अखिलेश यादव में भी श्रेय की होड़ शुरू हो गई है। समझ पाना मुश्किल नहीं कि सारा खेल सत्ता-राजनीति का है। जनगणना केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का विषय होते हुए भी बिहार, कर्नाटक और तेलंगाना राज्य सरकारों ने जाति सर्वे का दांव चला। इसीलिए जाति जनगणना कराने के मोदी सरकार के फैसले में भी राजनीतिक दबाव की भूमिका मानी जा रही है। कांग्रेस नीत यू.पी.ए. शासनकाल में 2011 की जनगणना में सामाजिक- आ?थक स्थिति और जाति के आंकड़े तो जुटाए गए लेकिन जारी नहीं किए गए। अगली जनगणना 2021 में होनी थी जो कोरोना महामारी के चलते नहीं हो पाई। जनगणना के इंतजार में चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन भी रुका हुआ है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण भी परिसीमन के बाद ही लागू होगा। इसीलिए जाति जनगणना और उसके आधार पर होने वाला चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन तथा महिलाओं के लिए आरक्षण भारत की चुनावी राजनीति पर दूरगामी असर डालने जा रहा है जिसका अभी आकलन कर पाना भी बेहद मुश्किल है।

जिंदगी के नियम भी कबड्डी के खेल जैसे हैं

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत के हमारे बड़े बुजुर्गों की जो कहावतें हैं, वह आदिलोक आदिकाल की हैं, परंतु हम आज के युग में भी और अपनी अगली पीढ़ियों में भी देखेंगे तो यह बिल्कुल फिट बैठती है। बड़े बुजुर्गों के एक- एक शब्द हीरे मोती के तुल्य हैं, बस पहचानने वाले जौहरी वाली नजर की जरूरत है। अगर हम गहराई में जाकर उन कहावतों और शब्दों के अर्थों को अपने जीवन में ढाल दिया तो साथियों दुखों की हिम्मत नहीं, असफलताओं की ताकत नहीं,जो हमारी ओर करवट बदल सके, बस जरूरत है हिम्मत, जज्बे, संकल्प की। सफलता तुम्हारे आगे सर झुकाए खड़ी होगी।आज हम उन वैचारिकताओं के एक अंश, बड़े बुजुर्गों की कहावतों पर चर्चा करेंगे। वैसे तो कहावतें बहुत हैं जैसे दाने-दाने को मोहताज, ढाक के तीन पात, बुरी नजर वाले तेरा मुंह काला, घर का भेदी लंका ढाए, बंद मुट्ठी लाख की खुल गई तो फिर खाक की सहित हजारों कहावतें हमें मिलेगी पर आज हम चर्चा,₹तू अपनी खूबियां ढूंढ, कमियां निकालने के लिए लोग हैं।अगर रखना ही है कदम तो आगे रख, पीछे खींचने के लिए लोग हैं₹ इस कहावत पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम, हतोत्साहित वह नुक्ताचीनी करने वाले चंद लोगों की करे तो,यह बिल्कुल कहावत सच बैठती है कि जिंदगी के नियम भी कबड्डी के खेल जैसे ही हैं। आपके सफलता की लाइन को टच करते ही लोग आपके पैर खींचने लगते हैं,जिसका मूल कारण द्वेष, प्रतिपक्ष में आत्मविश्वास की कमी, नकारात्मकता, मेहनत की कमी, अपने आप को यूसर्टिफाई करने की चाहत, अनकॉन्शियसली इंटेंशन, अपना स्टेटस बनाए रखना, कुदृष्टि और समाज में अपनी प्रतिष्ठा कम होने का डर इत्यादि के कारण है कि ऐसे लोग, किसी दूसरे अपने समकक्ष या प्रतिद्वंदी व्यक्ति को या तो सफल नहीं होने देते या सफलता की सीढ़ी पर पहुंचने के बाद उसके पैर खींचने में अपनी ताकत लगा देते हैं,ऐसा सदियों से युगा युगांतर से होता आया है।हर क्षेत्र में चाहे वह राजनीति, शिक्षा, सरकारी, गैर सरकारी, सामाजिक, सहकारिता, इत्यादि हर क्षेत्र में हमें कहीं ना कहीं दो व्यक्तियों, अनेक व्यक्तियों, समूह, दो गुटों, में टांगें खींचने की प्रथा होती आई है। सफलता के पैर खींचने की यह प्रथा राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है। आए दिनों हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसका नजारा देख रहे हैं कि, एक देश की नजर विश्व का ताज पहनने की चाहत की ओर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोविड- 19 फैलाने के आरोप के बाद उसकी अब इस साजिश पर दुनियाँ हैरान, है,अमेरिका को भूख मारने का था प्लान-फंगस के जरिए,अनाज,खाद्य पदार्थ, फसलों को बर्बाद करना था प्लान।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो अभी के ही रिसेंटली दिनों में भी राजनीतिक, खेल जगत सहित अनेक क्षेत्रों में बड़े-बड़े केस इसी की परिणति है कि अपनी प्रतिष्ठा, पद और स्थान बनाए रखने के लिए अनेक क्षेत्रों में हत्या राजनीति जगत में गंभीर आरोप हम सब देख रहे हैं। जो दूसरों के सफलता की सीढ़ी पर पहुंचने के कारण खुद के पद,मान, प्रतिष्ठा छीनने का डर जिन्हें होता है। वही इस तरह से सफल व्यक्ति के विरोध में यह काम करते हैं। एक इंसान की आदतें ही यह तय करती हैं कि वह अपनी ज़िंदगी में कितना सफल बनेगा और कितना आगे जाएगा ' हर व्यक्ति सफल होना चाहता है पर हर किसी को सफलता नहीं मिलती ' किसी इंसान की गलत आदतें उसको नाकामयाबी के अंधेरे में डुबा देती और उसी जगह अच्छी आदतें उस इंसान को कामयाबी की ऊँचाइयों तक पहुँचा देती हैं '

साथियों बात अगर हम कमियां ढूंढने वाले निंदक लोगों की करें तो,लोग बुराई इसलिए करते हैं,एक तो निन्दा का रस बडा ही स्वादिष्ट होता है जो एक बार मुँह लग जाए, फिर बार बार चखने को जी चाहता है।इस का स्वाद तो बचपन में ही परिवार व समाज द्वारा चखा जो दिया जाता है!अहं को संतुष्ट करना होता है कि देखो वह कितना बुरा है और हम कितने अच्छे हैं!जिसका जितना मोटा अहं, उसको निन्दा की खुराक भी उतनी ज्यादा चाहिए होतीहै। मेरा मानना है कि कमियां निकालने वालों या निंदकों को एक बहाना चाहिए होता है निन्दा का शिकार ढूँढने का।एक अजीब सी बढ़िया अनुभूति होती है उनको शिकार को निन्दा के तीर से मारने में!संयोग से एक दिन सत्संग में सुना:निन्दक व्यक्ति निन्दित व्यक्ति के धोबी के समान है। जैसे धोबी कपड़े के मैल को धोता है,वैसे निन्दक निन्दित व्यक्ति के बुरे कर्मों को धो देता है।और तो और निन्दक के बुरे कर्म निन्दा करने से और बढ़ जाते हैं।अब सत्संग तो सच का संग है,मैं वहाँ पर वर्णित किसी बात को असत्य नहीं समझ सकता। फिर भी लोग उतने महान तो नहीं है कि निन्दा करने में शून्यप्राय हो जाए लेकिन कर्मों वाली बात से इतना डर लगता है कि किसी की निन्दा करने से पहले हजार बार सोचना चाहिए कि अगले के कर्मों की मैल से मैं स्वयं को और मैला क्यों करूँ,मेरे कर्म कौनसा पहले ही उच्चकोटि के हैं? जाने अनजाने कुछ न कुछ तो गलत कर्म सबसे ही हो जाते हैं।हर वक्त दूसरे की बुराई करने वालों, कृपया इस तथ्य पर ध्यान दीजिए और कबीर दास जी के इस दोहे को याद कीजिए,वाकई यह दोहा सबके जीवन का परम सत्य है, कोई भी यहाँ दूध का धुला नहीं है।

बुरा जो देखन मैं चला,बुरा न मिलिया कोय।

जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।

अतः निन्दा का पत्थर वही मारे जिसने कभी कोई निन्दनीय कार्य न किया हो अन्यथा निन्दक को स्वयं की अंतरात्मा धोबी कहकर ही पुकारेगी!

साथियों बात अगर हम पते की करें तो हमें सफलता प्राप्त करने वालों के कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ खड़े होना चाहिए। उनसे प्रेरणा लेने का साहस जुटाना चाहिए। उनको अपना प्रेरणास्त्रोत बनाना चाहिए, ना कि उनकी टांगें खींचना चाहिए। बड़े बुजुर्गों ने भी कहा है कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदते हैं वह उसी गड्ढे में खुद गिरते हैं, बात सोलह आने सच है।

साथियों बात अगर हम प्रेरणा और सफल आदमी से प्रोत्साहन पाने की करें तो मेरी है निजी राय है कि सफलता के10 गुण होना चाहिए।(1) -लक्ष्य तय होना- एक सफल इंसान बनने के लिए या जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है लक्ष्य तय करना।जब तक आप लक्ष्य तय नहीं कर लेते, तब तक मानो आप सफलता से काफी दूर खड़े है। (2)- मजबूत इच्छा शक्ति-अगर किसी काम को करने की हमारी इच्छाशक्ति मजबूत और दृढ़ है, तो कुछ भी नामुमकिन नही है और हम हर काम को संभव बना सकते हैं। (3) नकारात्मकता-: यह एक ऐसी चीज है जो हमारे हर सपने को बर्बाद कर सकता है। हम जब भी कुछ करना चाहते हैं सबसे पहले यही सोचते हैं 'नहीं हम नहीं करपाएंगे, हमारे अंदर इस काम की क्षमता नहीं है यह नकारात्मक विचार, होने वाले काम को भी बिगाड़ सकते हैं इसीलिए जहां तक संभव हो नकारात्मकता से बचना चाहिए (4) हमेशा सच्चाई की राह पर रहना चाहिए (5) धैर्यवान बनना चाहिए (6) कड़ी मेहनत-कड़ी मेहनत,जीवन में कोई भी कार्य में अगर सफलता हासिल करनी हैं तो उसके लिए कठिन परिश्रम करना बेहद ही जरुरी हैं। कड़ी मेहनत के बिना सफलता प्राप्त करना नामुमकिन सा हैं।कड़ी मेहनत और लग्न से किया गया कार्य आपको जिंदगी में आगे तक पहुंचा सकता है। (7) अपनी क्षमता और कमजोरियों की पहचान-जीवन में सफलता हमेशा उसी व्यक्ति को मिलती है जो अपनी क्षमताओं और कमजोरियों को पहचानकर मेहनत करता है। (8) दूसरों से तुलना ना करें- हर व्यक्ति की अपनी योग्यता और क्षमता होती है। अच्छे छात्र भी अपनी क्षमता के दम पर ही सफल होते हैं न कि दूसरों की नकल करके। आप भी जीवन में सफल होने के लिए अपने तरीके से मेहनत करें। (9) साहस-जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आपने अपने लक्ष्य तय कर लिया हैं और उसकी पूरी तैयारी भी कर ली हैं. पर साहस ही जीवन में सफलता के लक्ष्य तक पहुंचता हैं इसीलिए साहस का होना परम आवश्यक है।(10)-आत्मा विश्वास-यहीं सफलता की सीढ़ी का आधार है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करेंगे तो हम देखेंगे कितू अपनी खूबियां ढूंढ, कमियां निकालने के लिए लोग हैं।अगर रखना ही है कदम तो आगे रख,पीछे खींचने के लिए लोग हैंजिंदगी के नियम भी कबड्डी के खेल जैसे हैं। सफलता की लाइन टच करते ही लोग आपके पैर पीछे लग जाते हैं। याने श्रेष्ठतम सफलता कांटों का ताज है।इसके लिए हिम्मत, जजबा और हौसले रूपी मंत्र का प्रयोग करना बहुत जरूरी है और आलोचना करने वाले प्रतिपक्ष को उपरोक्त 10 मंत्रों का पालन कर अपनी जिंदगी को श्रेष्ठतम बनाया जा सकता है जिससे उनका लोग भी सुधरेगा और परलोक में भी बाहर आएगी।

हत्या के एक दोष पर दो उम्रकैदः न्याय की सीमा या उसका उल्लंघन?

भारतीय न्याय व्यवस्था के दरवाजे पर एक संवेदनशील और जटिल प्रश्न खड़ा है—क्या किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए दो बार उम्रकैद की सजा दी जा सकती है? यह प्रश्न अब सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है और देशभर में न्याय, संविधान और दंड व्यवस्था को लेकर नई बहस का विषय बन गया है। हरियाणा के ठा सुकेश नामक व्यक्ति को अपनी पत्नी की हत्या के मामले में दो अलग-अलग धाराओं में उम्रकैद की सजा दी गई थी। दोनों सजाएँ लगातार चलने के आदेश के साथ दी गईं, यानी पहले एक उम्रकैद पूरी होगी, फिर दूसरी शुरू होगी। यह वही स्थिति है जैसे किसी व्यक्ति को दो जीवनकाल की सजा दे दी गई हो।

भारत का संविधान यह स्पष्ट कहता है कि किसी भी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए दो बार मुकदमा चलाकर सजा नहीं दी जा सकती। अनुच्छेद 20(2) में उल्लेखित 'डबल जियोपर्डी' का सिद्धांत इसी विचार पर आधारित है कि न्यायिक प्रक्रिया केवल दंड देने के लिए नहीं, बल्कि न्याय को संतुलन और विवेक के साथ लागू करने के लिए है। लेकिन यदि किसी एक घटना से जुड़े दो अलग-अलग अपराधों के तहत मुकदमा चले और दोनों में दोष सिद्ध हो, तो क्या दो बार सजा दी जा सकती है? यही इस पूरे मामले का केंद्रीय प्रश्न है।

ठा सुकेश पर आरोप है कि उसने अपनी पत्नी की हत्या की। इस घटना से उत्पन्न दो मुकदमे—एक भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और दूसरा संभवतः धारा 498अ (घरेलू हिंसा) या 304इ (दहेज मृत्यु)—दायर किए गए। दोनों मामलों में सजा उम्रकैद की हुई और उन्हें लगातार चलाने का निर्देश दिया गया। यहाँ कानूनी पेचीदगी यह है कि अगर हत्या और घरेलू हिंसा की घटनाएँ एक ही समय और परिस्थिति की उपज हैं, तो क्या उन्हें दो अलग-अलग अपराध माना जा सकता है?

सुप्रीम कोर्ट के सामने यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और संवैधानिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। न्याय का उद्देश्य किसी को दोहरा दंड देना नहीं है, बल्कि उस अपराध की प्रकृति और उसकी सामाजिक क्षति के अनुरूप न्यायसंगत सजा देना है। लगातार दो उम्रकैद देना ऐसा प्रतीत होता है जैसे किसी व्यक्ति को उसकी आयु से अधिक सजा दी जा रही हो—एक प्रकार का अतिन्याय, जो अन्याय में बदल सकता है। पूर्व में भी सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों पर विचार किया है। मुथुरामलिंगम बनाम तमिलनाडु राज्य (2016) के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा था कि एक से अधिक उम्रकैद की सजाएँ साथ-साथ चलनी चाहिए, जब तक कि किसी विशेष परिस्थिति में अलग-अलग चलाना अनिवार्य न हो। वहीं, स्वामी श्रद्धानंद मामले में न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया था कि यदि फाँसी नहीं दी जाती, तो सजा की अवधि को बढ़ाया जा सकता है, लेकिन यह फैसला भी न्यायिक विवेक और अपवाद के आधार पर लिया गया था, न कि नियम के तहत।

यदि ठा सुकेश को एक ही अपराध में दो बार उम्रकैद दी जाती है, तो यह एक खतरनाक परंपरा की नींव हो सकती है। यह न्यायिक प्रणाली के उस मूल विचार से भटकाव होगा, जहाँ दंड प्रणाली सुधारात्मक होनी चाहिए, न कि दमनकारी। साथ ही, यह भी देखना होगा कि क्या ऐसे फैसले संविधान के मूल ढांचे और व्यक्तिगत अधिकारों के अनुरूप हैं या नहीं।

भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र में जहाँ जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार को सर्वोच्च स्थान दिया गया है, वहाँ इस प्रकार की सजाएँ मानवीय दृष्टिकोण से भी असहज प्रतीत होती हैं। कोई भी सजा, चाहे वह कितनी भी सख्त क्यों न हो, तब तक न्यायसंगत नहीं कही जा सकती जब तक उसमें विवेक, मानवीयता और संविधान की भावना न हो।

इस निर्णय का असर केवल एक व्यक्ति पर नहीं पड़ेगा, बल्कि यह भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और संविधान की व्याख्या को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यदि सुप्रीम कोर्ट इस फैसले को वैध ठहराता है, तो भविष्य में अनेक मामलों में दोहरी उम्रकैद देने की संभावनाएँ खुल सकती हैं। यदि नहीं, तो यह न्यायिक विवेक का एक ऐतिहासिक उदाहरण बनेगा, जो यह स्थापित करेगा कि सजा का उद्देश्य दमन नहीं, दिशा देना है।

हर न्यायिक निर्णय एक उदाहरण होता है। यह मामला हमारे देश की न्याय प्रणाली के उस चौराहे पर खड़ा है, जहाँ से आगे का रास्ता तय करेगा कि हम किस प्रकार के समाज की ओर बढ़ना चाहते हैं—एक ऐसा समाज जहाँ न्याय समानुपातिक हो, या एक ऐसा जहाँ सजा के नाम पर अतिशयता को न्याय कहा जाए। यह केवल ठा सुकेश या उसकी पत्नी का मामला नहीं है। यह उस विचारधारा का मामला है, जो यह तय करती है कि अपराध के लिए सजा कैसी होनी चाहिए—दुहराव में लिपटी हुई, या विवेक और मानवता से सजी हुई? अब यह सुप्रीम कोर्ट के विवेक और संविधान की व्याख्या पर निर्भर करेगा कि वह इस अत्यंत जटिल सवाल का उत्तर कैसे देता है। न्याय केवल कानून का अनुपालन नहीं होता, वह समाज की चेतना का प्रतिबिंब भी होना चाहिए।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

नतीज-ए-जिहाद : जैसा इराक में देखा

-तनवीर जाफरी

इराक के बगदाद,नजफ ,बेबीलोन,करबला, मौसूल व सामरा जैसे कई ऐतिहासिक शहरों का भ्रमण करने का पिछले दिनों सौभाग्य प्राप्त हुआ। यही वह इराक था जहाँ आई एस आई एस जैसे दुर्दांत आतंकी संगठन ने लाखों शियाओं ,यजीदी व ईसाई समुदाय के लोगों तथा उनकी विचारधारा का समर्थन नहीं करने वाले स्थानीय उदारवादी सुन्नियों को निशाना बनाया और बेरहमी से हत्याएं कीं। हाथों में काले रंग का इस्लामी कलमा लिखा झंडा लेकर इन्हीं राक्षसों ने यजीदी और अन्य समुदायों की महिलाओं और बच्चों का अपहरण किया उनसे यौन दासता कराई और जबरन सैन्य भर्ती के लिए उन्हें अपना निशाना बनाया। 2014 से 2019-20 के मध्य का यह वही दौर था जबकि आई एस आई एस द्वारा अपहृत लोगों को एक लाइन से खड़ा कर गोली मारने या तलवार से उनके सिर कलम करने जैसी भयावह वीडिओ दुनिया को भयभीत करने के लिये सार्वजनिक की जाती थी और इस्लाम को क्रूरता के पर्याय के रूप में साजिशन पेश किया जाता था।

आई एस आई एस अर्थात इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया का मकसद इराक और सीरिया में सख़्त शरिया कानूनों पर आधारित एक इस्लामिक खलीफा स्थापित करना था। इराकी आतंकवादी अबू बक्र अल-बगदादी इस्लामिक स्टेट (आईएस) का संस्थापक नेता था। उसने 2014 में स्वयं को खलीफा घोषित किया था। इसका लक्ष्य इराक और सीरिया में बड़े क्षेत्रों पर कब्जा कर वहां अपनी कट्टरपंथी विचारधारा के आधार पर शासन स्थापित करना था। उस दौरान आई एस आई एस ने उन समुदायों को निशाना बनाया, जिन्हें वे ₹काफिर₹ या ₹अपवित्र₹ मानते थे। उन्होंने इसका उद्देश्य क्षेत्र को ₹शुद्ध₹ करना बताया था, जिसमें शिया मुसलमानों, यजीदी, ईसाई, और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाना शामिल था। दरअसल आई एस आई एस ने अल-कायदा से अलग होकर वैश्विक जिहादी आंदोलन में नेतृत्व हासिल करने की कोशिश की थी ।उसने विदेशी लड़ाकों को भर्ती किया और अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए प्रचार तंत्र का उपयोग किया। आई एस ने इराक और सीरिया में उस समय के सांप्रदायिक तनावों और तत्कालीन कमजोर शासन का फायदा उठाया, विशेष रूप से अल्पसंख्यक सुन्नी समुदाय की उन शिकायतों व समस्याओं को भुनाया जो शिया-प्रधान सरकारों से नाखुश थे।

आई एस की क्रूरता से भरे उस दौर में आने वाले वीडिओज पूरे विश्व में इस्लाम की छवि को धूमिल कर रहे थे। और सशस्त्र आई एस बगदाद पर लगभग पूर्ण नियंत्रण हासिल कर चुकने के बाद सामरा व मोसूल जैसे ऐतिहासिक व पवित्र शहरों पर कब्जा जमाते हुये भारी बमबारी व हत्याएं करते हुये करबला और नजफ पर अपनी

गिद्ध दृष्टि गड़ा चुका था। इसी बीच शिया इस्लाम के प्रमुख धार्मिक विद्वानों में से एक आयतुल्लाह अली अल-सीस्तानी, जोकि उस समय इराक के नजफ में ही रहते थे, ने 2014 में आई एस के विरुद्ध 'जिहाद' शुरू करने का फतवा जारी कर दिया। इस फतवे में आयतुल्लाह सीस्तानी ने सभी इराकी नागरिकों, विशेष रूप से शिया समुदाय, से आई एस के विरुद्ध हथियार उठाने और देश की रक्षा करने का आह्वान किया। आयतुल्लाह ने सुन्नी समुदाय को भी इस लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इसे ₹वाजिब किफायी₹ (सामूहिक कर्तव्य) जिहाद के रूप में वर्णित किया। जिसका अर्थ था कि यह हर सक्षम व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह देश और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए तब तक लड़े, जब तक कि पर्याप्त संख्या में लोग इस कर्तव्य को पूरा न करें। आयतुल्लाह सीस्तानी ने अपने फतवे में कहा कि आई एस के विरुद्ध लड़ना न केवल धार्मिक कर्तव्य है, बल्कि इराक की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी यह नितांत आवश्यक है। उन्होंने जिहादी स्वयंसेवकों से इराकी सुरक्षा बलों में शामिल होने और आतंकवादियों के खिलाफ लड़ने का आग्रह किया।

आई एस के विरुद्ध जिहाद के इस फतवे के परिणामस्वरूप लाखों इराकी , विशेष रूप से शिया युवा स्वयंसेवक के रूप में सामने आए और पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज पी एम एफ या हशद अल-शाबी का गठन हुआ। पी एम एफ ने इराकी सेना के साथ मिलकर आई एस के विरुद्ध तिकरित, फलूजा, और मोसुल की मुक्ति कराने जैसी कई महत्वपूर्ण लड़ाइयों में हिस्सा लिया। आयतुल्लाह सीस्तानी ने पी एम एफ और अन्य लड़ाकों को यह निर्देश दिया कि वे युद्ध के दौरान क्रूरता या बदले की भावना से काम न करें, बल्कि इस्लामी नैतिकता और कानून का पालन करें। आयतुल्लाह सीस्तानी का जिहाद का आह्वान रक्षात्मक प्रकृति का था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जिहाद आक्रामक नहीं, बल्कि आत्मरक्षा और धार्मिक स्थलों, जैसे नजफ और करबला में पवित्र रौजों की रक्षा के लिए था। उन्होंने यह भी जोर दिया कि लड़ाई में शामिल लोगों को मानवाधिकारों और युद्ध के इस्लामी नैतिक नियमों का पालन करना चाहिए। जैसे कि किसी गैर-लड़ाकों को नुकसान न पहुंचाया जाये। इस दौरान सीस्तानी ने अपने संदेशों में बार-बार शिया-सुन्नी एकता पर बल दिया और कहा कि आई एस न केवल शिया समुदाय, बल्कि सभी इराकियों और मानवता व इस्लाम के लिए खतरा है। आई एस ने 2014-15 में इराक और सीरिया में अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में यजीदी, ईसाई, और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की हजारों महिलाओं और लड़कियों को भी अगवा किया था। खासकर अगस्त 2014 में सिंजार पर हमले के दौरान लगभग 7,000 यजीदी महिलाओं और लड़कियों को बंधक बनाया गया था। इनमें से कई को ₹सेक्स स्लेव₹ के रूप में बेचा गया अनेक को सामूहिक बलात्कार का शिकार बनाया गया व क्रूर यातनाएं दी गईं। इस दौरान पी एम एफ द्वारा कई यजीदी और अन्य समुदायों की महिलाओं को आई एस की कैद से छुड़ाया गया। पी एम एफ ने मोसुल के आसपास के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से तल अफार जैसे क्षेत्रों में, जहां यजीदी महिलाओं को कैद में रखा गया था। पी एम एफ ने तिकरित, फालुजा, और रामादी जैसे शहरों में भी आई एस के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए। इन अभियानों के दौरान भी बंधक बनाई गई महिलाओं को मुक्त कराया गया। हालांकि यजीदी समुदाय की अधिकांश महिलाएं सीरिया के रक्का जैसे क्षेत्रों में ले जाई गई थीं, जहां उनकी मुक्ति के लिए अलग-अलग प्रयास किए गए। आई एस ने महिलाओं को गुलाम बाजारों में बेचा, और कई को सीरिया के रक्का और अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया।

जिहाद के फतवे में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेस (पी एम एफ) को यह निर्देश भी दिया गया था कि वे समस्त अपहृत महिलाओं को क्रूर आई एस के चंगुल से चाहे संघर्ष कर उन्हें मुक्त करायें या उन गुलाम बाजारों से खरीद कर उन्हें मुक्त कराकर उन्हें सुरक्षित व ससम्मान उनके घरों तक पहुंचाएं। और 'जिहादियों' द्वारा वैसा ही किया गया। आज पूरे इराक में जहाँ आई एस के जुल्म व बर्बरियत के निशान के रूप में जगह जगह खंडहर व विध्वंस दिखाई देता है वहीँ वातविक जिहाद के परिणाम की गवाही इराक में वापिस लौटी शांति और वहां के धर्मस्थलों पर सभी धर्मों व विश्वास के लोगों के 24 घंटों लगातार आने वाले लाखों लोगों के जन समुद्र से फैली रौनक दे रही है। मैंने स्वयं देखा है कि आज भी उस समय के अनेक शहीद जिहादी, लाशों की शिनाख़्त होने के बाद प्रतिदिन नजफ में हजरत अली के रौजे पर और करबला में हजरत इमाम हुसैन के रौजे पर ताबूत में रखकर लाये जाते हैं और इन रौजों की परिक्रमा के बाद और नजफ स्थित विश्व के सबसे बड़े कब्रिस्तान वादी अल-सलाम में दफ़्न किये जाते हैं। पूरे इराक में राजमार्ग पर जिहाद के दौरान अपनी जान देने वाले शहीदों के हजारों चित्र खम्बों व फ़्लेक्स के रूप में लगे मिलेंगे। पूरा इराक उन शहीदों को इसतरह श्रद्धांजलि भेंट कर रहा है। यह भी पता चलता है इराक जैसे देश की तरक़्क़ी व वहां की धार्मिक व सामुदायिक एकता आखिर पश्चिमी देशों की नजरों में क्यों खटकती रहती है। कुछ ऐसा था नतीज-ए-जिहाद, जैसा मैंने इराक में देखा।

कैंसर पेशंट्स एड असोसिएशन के लिए एक संगीतमय शाम, प्रसिद्ध कलाकार अमित कुमार और शैलजा सुब्रमणियन की प्रस्तुति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महान संगीतकार आर.डी. बर्मन को उनके जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि स्वरूप, प्रसिद्ध गायक अमित कुमार और गायिका शैलजा सुब्रमणियन 'द जर्नी (एस.डी. बर्मन से आर.डी. बर्मन)' नामक विशेष संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे। यह कार्यक्रम कैंसर पेशंट्स एड असोसिएशन (उढअअ)के लिए आयोजित किया जा रहा है और 28 जून 2025 को शाम 7 बजे रंग शारदा ऑडिटोरियम, बांद्रा में आयोजित होगा। यह संगीतमय संध्या एस.डी. बर्मन और आर.डी. बर्मन के कालजयी गीतों के जरिए यादों का एक भावनात्मक सफर होगी। कार्यक्रम से प्राप्त सभी निधियाँ उढअअ द्वारा सहायता प्राप्त जरूरतमंद कैंसर पेशंट्स के लिए उपयोग की जाएंगी। महान किशोर कुमार के सुपुत्र और खुद एक बहुप्रतिभाशाली कलाकार अमित कुमार ने कहा, ह्लमैं हमेशा सामाजिक कार्यों के लिए तैयार हूं और उढअअ के साथ जुड़कर गर्व महसूस करता हूं। संगीत एक सशक्त माध्यम है जागरूकता फैलाने का, और इस कार्यक्रम के माध्यम से हम कैंसर से जूझ रहे लोगों को आशा और गरिमा देना चाहते हैं।ह्व मधुर आवाज और सामाजिक भावना के लिए प्रसिद्ध शैलजा सुब्रमणियन ने कहा, ह्लउढअअ के लिए प्रस्तुति देना मेरे लिए सम्मान की बात है। संगीत सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सेवा, उपचार और जरूरतमंदों के लिए आवाज उठाने का माध्यम है।ह्व कैंसर पेशंट्स एड असोसिएशन (उढअअ) एक पंजीकृत चैरिटेबल संस्था है, जो पिछले 56 वर्षों से कैंसर के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी रही है। उढअअ निदान से लेकर उपचार और पुनर्वास तक कैंसर पेशंट्स को दवाइयाँ, पोषण, कृत्रिम अंग, एम्बुलेंस सेवा आदि निःशुल्क प्रदान करती है।

उढअअ की कार्यकारी निदेशक अनीता पीटर ने कहा, ह्लकैंसर का खर्च एक आम परिवार के लिए विनाशकारी हो सकता है, खासकर जब वे निम्न आर्थिक वर्ग से आते हों। प्रसिद्ध परोपकारी और संगीत प्रेमी अजीत कामत ने कहा, ह्लसंगीत उपचार करता है। स्वास्थ्य ही धन है, और कैंसर से लड़ते हुए किसी को ये दोनों नहीं खोने चाहिए। कार्यक्रम के टिकट अब उपलब्ध हैं और समस्त आय उढअअ की कैंसर देखभाल और रोगी सहायता सेवाओं में जाएगी।टिकट व प्रायोजन हेतु 9324359139 इस नंबर पर संपर्क करें.

मनोर ट्रॉमा केअर सेंटर का 95% कार्य पूर्ण, शेष कार्य हेतु की गई निधि की मांग

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के मनोर स्थित बहुप्रतीक्षित ट्रॉमा केअर सेंटर का निर्माण कार्य तेजी से अंतिम चरण में पहुंच गया है। अब तक इस परियोजना का 95% कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर ठोस पहल की जा रही है। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ के नेतृत्व में शेष कार्यों के लिए आवश्यक निधि की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु राज्य शासन से सतत पत्रव्यवहार किया जा रहा है। इसी क्रम में उन्होंने दिनांक 26 मई 2025 को राज्य के स्वास्थ्य सचिव वीरेन्द्र सिंह (सार्वजनिक आरोग्य विभाग, मुंबई) को पत्र भेजकर आवश्यक निधि शीघ्र मंजूर करने की मांग की है। इसी के साथ नंडोरे तहसील पालघर स्थित जिला सामान्य अस्पताल के लिए भी निधि की मांग का लगातार की जा रही है। मनोर ट्रॉमा केअर सेंटर और नंडोरे स्थित जिला अस्पताल दोनों ही स्वास्थ्य सुविधाओं के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। जिलाधिकारी डॉ. जाखड़ ने विश्वास जताया है कि शासन स्तर से शीघ्र ही शेष निधि उपलब्ध होगी, जिससे ये दोनों संस्थान जल्द ही आम जनता की सेवा में कार्यरत हो सकेंगे।

क्वॉइनडीसीएक्स ने लॉन्च किया ऑटोमेटेड क्रिप्टो ट्रेडिंग फीचर

मुंबई। भारत के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज क्वॉइनडीसीएक्स ने अब ट्रेडर्स के लिए ऑटोमेटेड क्रिप्टो ट्रेडिंग की सुविधा शुरू कर दी है। यह सुविधा ट्रेडट्रोन के साथ आसान एकीकरण के जरिए उपलब्ध होगी। इसके तहत ट्रेडर्स तयशुदा रणनीतियों के आधार पर अपने बाय/सेल ऑर्डर अपने आप चला सकते हैं–बिना किसी मैन्युअल दखल के। चूंकि क्रिप्टो मार्केट 24ग्7 खुला रहता है, ऐसे में यह ऑटोमेशन सुविधा न केवल समय की बचत करती है बल्कि हर समय बेहतर और तेज ट्रेडिंग अनुभव भी देती है।

नीट में एलन के टॉप–10 में 4 स्टूडेंट एवं टॉप–100 में 39 स्टूडेंट

मुंबई/पटना। नेशनल टेस्टिंग ,एजेंसी की ओर से घोषित नीट-यूजी 2025 के रिजल्ट्स में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने एक बार फिर श्रेष्ठता साबित की है। नीट-यूजी 2025 में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स में देश में टॉप रैंक्स के साथ-साथ बड़ी संख्या में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में एडमिशन सुनिशिचत किया है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने बताया कि परिणामों में एलन के क्लासरूम कोर्स के स्टूडेंट मृणाल झा ने आल इंडिया रैंक-04 प्राप्त की है। इसके साथ ही टॉप-10 में चार स्टूडेंट्स ने स्थान प्राप्त किया है, इसमें केशव मित्तल ने आल इंडिया रैंक 07, भव्य चिराग झा ने आल इंडिया रैंक 08 प्राप्त की, ये तीनों एलन के क्लासरुम स्टूडेंट हैं तथा आरव अग्रवाल ने आल इंडिया रैंक 10 प्राप्त की है जो कि दूरस्थ शिक्षा से एलन से जुड़े हैं। एलन की आशी सिंह ने आल इंडिया रैंक-12 प्राप्त की है तथा आल इंडिया गर्ल्स कैटेगरी में रैंक-2 पर रही हैं। टॉप-50 में एलन 19 स्टूडेंट्स तथा टॉप-100 में एलन के 39 स्टूडेंट हैं। इसमें 30 क्लासरुम प्रोग्राम से है। 9 डिस्टेंस लर्निंग एवं ऑनलाइन टेस्ट सीरीज प्रोग्राम से हैं। एलन के निदेशक डॉ- गोविन्द माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, डॉ-नवीन माहेश्वरी व डॉ- बृजेश माहेश्वरी ने सभी सफल स्टूडेंट्स व उनके अभिभावकों को बधाई दी है।

मेट्रो 5 प्रोजेक्ट का विस्तार अंबरनाथ के चिखलोली स्टेशन तक बढ़ाने का निर्णय

शहर प्रमुख रवि पाटिल ने दी जानकारी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। ठाणे-भिवंडी-कल्याण मेट्रो-5 के रूट में बदलाव किया गया है। इस विषय में शिवसेना (शिंदे) के कल्याण पश्चिम शहर प्रमुख रवि पाटिल ने बताया कि हाल ही में कल्याण लोकसभा और कल्याण पश्चिम के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर कल्याण के सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे और शहर प्रमुख रवि पाटिल की एमएमआरडीए के अधिकारियों के साथ एक बैठक संपन्न हुई। रवि पाटिल ने कहा कि साल 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेट्रो-5 का भूमिपूजन किया था। इस परियोजना का पुराना मार्ग दुगार्डी, सहजानंद चौक, शिवाजी महाराज चौक से होते हुए स्टेशन पर समाप्त हो रहा था। जिसमें बदलाव करने के बाद दुगार्डी, बिरला कॉलेज, भवानी चौक और सुभाष चौक से होते हुए मेट्रो कल्याण स्टेशन पहुंचेगी। वहीं

सांसद श्रीकांत शिंदे के प्रयासों से इस प्रोजेक्ट का विस्तार अंबरनाथ के चिखलोली स्टेशन तक बढ़ाने का निर्णय हाल ही में लिया गया। मेट्रो के अलावा रिंगरूट और गांधारी-बाबगांव सड़क के विस्तारीकरण को लेकर भी चर्चा की गई। रवि पाटील ने गांधारी पर नया पूल का निर्माण करने एवं बाबगांव जाने वाली सड़क को फोर लेन बनाने का प्रस्ताव एमएमआरडीए के समक्ष रखा था। पाटिल ने कहा कि इस प्रस्ताव को लेकर भी अधिकारियों ने सकारात्मक उत्तर दिया है।

आदित्य ठाकरे के जन्मदिन पर आनंद दुबे द्वारा 500 जरूरतमंदों को छतरी वितरित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दुबे द्वारा आज युवा सेना प्रमुख तथा विधायक आदित्य ठाकरे के जन्मदिन के उपलक्ष में कांदिवली पूर्व के ठाकुर विलेज में करीब 500 जरूरतमंद लोगों को मुफ्त छतरी का वितरण किया गया पवित्र किया।

इस अवसर पर शिवसेना के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आनंद दुबे द्वारा पिछले कई वर्षों से आदित्य ठाकरे के जन्मदिन पर छतरी का वितरण किया जाता रहा है। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बरसात के प्रारंभ में जरूरतमंद लोगों को छतरी से बढ़िया उपहार और क्या हो सकता है? उन्होंने कहा कि यह उन्हें भीगने से बचाएगा, तथा हमारे प्रिय नेता के जन्मदिन पर प्राप्त उपहार याद दिलाता रहेगा।

केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का मुंबई में सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल स्वास्थ्य एवं परिवारकल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री के मुंबई आगमन पर युवा ब्रिगेड एसोसिएशन, मुंबई के अध्यक्ष डॉ.सचिन सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर

सम्मान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवक डॉ.बाबूलाल सिंह,पनवेल के सुप्रसिद्ध अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ.सुभाष सिंह, डॉ.एस.आर. वर्मा, संतोष विश्वकर्मा , अरूण दीक्षित, राजेश रंजीत एवं घनश्याम गुप्ता ने भी मंत्री का सम्मान किया। मंत्री एक प्रतिष्ठित अखबार के स्वास्थ्य समिट में मेडिकल क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाक्टर्स, समाज सेवक एवं समाज सेवी संस्थाओं को सम्मानित करने मुंबई आई थी।

तानाजी कांबले को राज्य सरकार का डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार प्रदान किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विगत 25 वर्षों से अधिक समय से पत्रकारिता और सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए वरिष्ठ पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता तानाजी कांबले को महाराष्ट्र सरकार द्वारा डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उक्त पुरस्कार राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट की मौजूदगी में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार समारोह मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में आयोजित किया गया। बता दें कि यह पुरस्कार महाराष्ट्र सरकार के सामाजिक न्याय विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भटक्या विमुक्त और अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रतिवर्ष दिया जाता है। तानाजी कांबले 25 वर्षों से अधिक समय से पत्रकारिता और सामाजिक क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। उनका जन्म कोंकण के वैभववाड़ी तालुका में एक बहुत ही गरीब परिवार में हुआ था। उनके माता-पिता किसान थे। उन्होंने अपने बच्चों का पालन-पोषण बड़ी मुश्किल से किया। ग्रामीण क्षेत्र में जन्म लेने के कारण परिवहन निगम की एस.टी. बस गांव से होकर नहीं जाती थी।ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, रास्ते, पुल आदि जैसी समस्याओं तथा पानी की कमी का सामना करते हुए तानाजी कांबले ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही पूरी की तथा आगे की शिक्षा वैभववाड़ी के आश्रम स्कूल में हुई। पढ़ाई के दौरान ही उनके मन पर बुद्ध, फुले ,शाहू तथा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के क्रांतिकारी विचारों का प्रभाव पड़ा। उन्होंने अठारह वर्ष की आयु में ही पत्रकारिता तथा सामाजिक कार्य शुरू कर दिया था, इस भावना के साथ कि सामाजिक तथा पत्रकारिता के माध्यम से ही ग्रामीण विकास तथा गरीब, वंचित समूहों को न्याय दिलाया जा सकता है। बाद में उन्होंने महाराष्ट्र के कई प्रमुख समाचार पत्रों में रिपोर्टर से लेकर उप संपादक तक के पद पर कार्य किया। वे पच्चीस वर्षों से अधिक समय से पत्रकारिता तथा सामाजिक कार्य के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

50 वर्षीय शरीफ खान अब एड .शरीफ खान बन गये

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड के समाज सेवक,राजनेता शरीफ खान ने 50 वर्ष की आयु में कठिन परिश्रम एवम परिवार का भरण-पोषण करते हुए मुंबई विश्वविद्यालय से वकालत एल.एल.बी डिग्री हासिल किया है। शरीफ खान मूलतः ग्राम-चांद पुर,तहसील पट्टी,प्रताप गढ़,उ.प्र.के निवासी है। पारिवारिक दायित्व के चलते 1991 में 8वीं पास करने के पश्चात पढाई छोड दिये और आटो रिक्शा चालक व्यवसाय से जुड़ गये। बच्चों को पढ़ाई करते देख 26 साल बाद पढ़ाई की ललक उठी।और 2017 में उन्होंनें एस.एस.सी.का फार्म भरा। और सेकंड क्लास पास हुये। 2019 में 12वीं में कामर्स से सेकंड क्लास उत्तीर्ण हुये। फिर बी.एल.एस.एल.एल.बी (पांच वर्षीय पाठ्यक्रम) का इन्टरेंस परीक्षा दिये और पास होकर अस्मिता विधी कालेज,विक्रोली में एडमिशन लिया।पांच वर्ष मेहनत से पढ़ाई कर बी.एल.एस.एल.एल.बी.में फर्स्ट क्लास पास हुये। शरीफ खान समता हाकर्स युनियन के अध्यक्ष एवम महाराष्ट्र कांग्रेस उ.भा.सेल के सचिव हैं। शरीफ खान के उज्जवल भविष्य हेतु वरिष्ठ समाज सेवक डॉ.बाबूलाल सिंह,बीरेन्द्र पाठक,रामदास सोनावणे,डॉ.सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड एसोसिएशन),दयाशंकर पाल (कराटे प्रशिक्षक), राकेश मिश्रा,सियाराम सिंह (शिक्षाविद),परेश रामानी, हृदय नारायण सिंह,नरेंद्र सिंह,सुभाष चंद्र जायसवाल,गोविंद जायसवाल,सुरज वर्मा, विनय जायसवाल ने केशवपाडा,पी.के.रोड,मुलुंड प.पर युवा ब्रिगेड एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शाल पुष्प गुच्छ देकर मिठाई खिलाकर हार्दिक शुभ कामनायें प्रदान किया।

विमान दुर्घटना में मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए सुंदरकांड पाठ

भायंदर (उत्तरशक्ति)। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए मीरा भायंदर की प्रमुख धार्मिक और सामाजिक संस्था तीर्थराज प्रयाग पूर्वांचल फाउंडेशन द्वारा 14 जून की शाम को आरएनपी पार्क स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया।

संस्था के अध्यक्ष अरुण तिवारी ने बताया कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना से हम सभी अत्यंत दुखी हैं। मृतकों की आत्मा की शांति के लिए संस्था द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गायक मुकेश त्रिपाठी, रागिनी प्रजापति तथा उनकी पूरी टीम ने सुंदरकांड पाठ के बाद भजनों की प्रस्तुति की। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप जैन, नगरसेवक मदन सिंह, मंडल अध्यक्ष योगिता शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार अरुण उपाध्याय, पत्रकार राजेश उपाध्याय, समाजसेवी अरविंद उपाध्याय, संदीप अग्रवाल, भाजपा प्रवक्ता शैलेश पांडे, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष कमलेश पांडे, सुनील केसरी, शिवकुमार शुक्ला, हौसला प्रसाद शुक्ला, गुलाबचंद पाठक, हरिशंकर दुबे, रत्नाकर मिश्रा, विद्या शंकर चतुर्वेदी, बबलू राय, बृजेश पांडे, नीतू पूर्वी, नीता सिंह, रीता सिंह, अनिता राय, समाजसेवी राजेश्वरी शर्मा, रजनी चौहान, अनिल कनौजिया, योगेश दुबे, श्याम तिवारी, वीरेंद्र पाठक ,सुदामा यादव, राहुल राय, हरिप्रसाद पाठक, शिवप्रसाद बुद्धका, धीरज पांडे, नागेश जैसवाल, रजनी चौहान, प्रवीण शुक्ला, बीआर मिश्रा, मुन्ना तिवारी, अमरनाथ तिवारी, एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, हरिओम पांडे,अखिलेश तिवारी पांडा, रामप्रवेश तिवारी, सचिन सिंह, जीतू चौरसिया डब्लू सिंह, राकेश तिवारी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। अरुण तिवारी ने उपस्थित सभी लोगों का सम्मान कर सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. आनंद यादव का मुंबई आगमन पर भव्य स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज रविवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. आनंद यादव का भव्य स्वागत मुंबई में किया गया। मुंबई आगमन पर उन्हें समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अजय यादव, पनवेल-नवी मुंबई जिलाध्यक्ष आर एन यादव, जितेंद्र यादव, भोला यादव, राय सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं द्वारा अंगवस्त्र और बुके भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. आनंद यादव ने महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के विस्तार की दिशा में रणनीतिक चर्चा की। उन्होंने कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाजवाद के सिद्धांतों पर चलकर ही देश के किसानों, नौजवानों, पिछड़ों, दलितों एवं अल्पसंख्यकों का समग्र विकास और खुशहाली सुनिश्चित की जा सकती है।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र में संगठन को सशक्त बनाने के साथ-साथ 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार गठन का संकल्प लेती है। यह संकल्प न केवल राजनीतिक परिवर्तन का संकेत है, बल्कि समाज के वंचित वर्गों को न्याय और अवसर दिलाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

डॉ. यादव ने यह भी कहा कि जब देश समाजवादी मूल्यों पर चलेगा, तभी भारत एक वैश्विक शक्ति बन सकेगा। कार्यक्रम का समापन उत्साह और एकजुटता के माहौल में हुआ, जिसमें सभी पदाधिकारियों ने आगामी चुनावों व संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

अंधेरी में भाजपा द्वारा नि:शुल्क महा आरोग्य शिविर का सफल आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी (पूर्व) के पंप हाउस स्थित मोगरा सार्वजनिक मंडल परिसर में रविवार को भाजपा मुंबई की ओर से एक विशाल निःशुल्क महा आरोग्य शिबिर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिबिर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और विविध स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

बता दें कि पन प्रियदर्शिनी सामाजिक संस्था व सैफी हॉस्पिटल के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस शिबिर में ब्लड टेस्ट, शुगर टेस्ट, हड्डियों की जांच, लिपिड प्रोफाइल, सामान्य रोग परीक्षण जैसी सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की गईं। इसके अलावा हृदय रोगियों के लिए बायपास सर्जरी व एंजियोप्लास्टी से संबंधित परामर्श व चिकित्सा सहायता भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई।

शिबिर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम पूरी तत्परता से मौजूद रही, जिन्होंने रोगियों की जांच कर उचित मार्गदर्शन और दवाइयां प्रदान कीं। कार्यक्रम में लोगों का उत्साह देखने लायक था और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता का माहौल साफ दिखाई दिया।

कार्यक्रम में अंधेरी पूर्व विधानसभा के विधायक मुरजी पटेल एवं सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज की। दोनों अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है, और ऐसे आयोजनों से जनसेवा को नई दिशा मिलती है। इस अवसर पर शिबिर के आयोजक भाजपा मुंबई सचिव एवं अजय चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री अजय तिवारी ने बताया–कि हमारा प्रयास है कि समाज सेवा केवल शब्दों में न रह जाए, बल्कि जमीनी स्तर पर उसका वास्तविक लाभ जनता तक पहुँचे। स्वास्थ्य सेवा किसी धार्मिक अनुष्ठान से कम नहीं, और हमें गर्व है कि हमने यह सेवा आज सच्चे अर्थों में निभाई। इस सफल आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब राजनीतिक संकल्प, सामाजिक संस्था और चिकित्सा सेवा एक मंच पर साथ आते हैं, तो जनकल्याण का एक सशक्त उदाहरण स्थापित होता है। इस आयोजन में मुख्य रूप से सक्रिय कार्यकर्ता नरेंद्र शुक्ला,प्रियंका मूंगेकर,गीता दरवेशी, वीणामुरकर, अंकिता नवाले, पदमाकर सिंह, सुनील करपे,राजेश हटवार,साधना मिश्रा, मनीषा यादव,रमेश भावकार, शकुंतला यादव, शिवराम राने आदि के सहयोग से आयोजन सफल हुआ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बिजली विभाग ने मॉर्निंग रेड में 24 कनेक्शन काटे, 8.10 लाख की वसूली

शहर के बिजली चोरों में मचा हड़कंप, दो उपभोक्ताओं पर मुकदमा दर्ज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रबंध निदेशक पूर्वांचल निगम के निर्देश पर विद्युत विभाग द्वारा शनिवार को रसूलाबाद, मनीष मेडिकल नियर शकरमंडी रोड सहित अन्य क्षेत्रों में बृहद मॉर्निंग रेड अभियान चलाया गया। इस विशेष अभियान में कुल 160 आवासों की चेकिंग की गई, जिसमें बकाया बिल पर 24 कनेक्शन काटे गए और विभाग ने करीब 8.10 लाख रुपये की राजस्व वसूली की। इस अभियान में अधिशासी अभियंता ई. सचिन कुमार सिन्हा स्वयं मौजूद रहे। उनके साथ एसडीओ प्रथम, जेई नीरज कुमार, हरिनंदन राय समेत अन्य तकनीकी स्टाफ की दो टीमें गठित कर चेकिंग में लगाया गया था।

अभियान के दौरान 36 उपभोक्ताओं की कुल 96 किलोवाट भारवृद्धि, 12 उपभोक्ताओं के त्रुटिपूर्ण बिलों का संशोधन, तथा 7 उपभोक्ताओं की विधा परिवर्तन की कार्रवाई की गई। इसके अलावा दो उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटकर बिजली चोरी के मामले में मुकदमा भी दर्ज कराया गया।ई. सचिन कुमार सिन्हा ने बताया कि आगे भी प्रतिदिन मॉर्निंग रेड एवं मेगा ड्राइव अभियान चलाकर बकायेदारों एवं बिजली चोरों पर शिकंजा कसना जारी रहेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे निर्धारित तिथि से पूर्व बिजली बिल जमा करें और बिजली चोरी जैसे अपराध से दूर रहें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 10 हजार रुपये से अधिक के बकायेदारों के कनेक्शन तुरंत काटे जाएंगे तथा गलत बिल जारी करने वाले मीटर रीडरों पर भी विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सभी उपभोक्ताओं को समय पर सही बिल उपलब्ध कराने हेतु विभाग पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

बयालसी महाविद्यालय में 6 करोड़ के घोटालों की पुष्टि, प्रबंधक को भेजा जा सकता है जेल

15 दिन में जवाब नहीं मिला तो होगी विधि सम्मत कार्रवाई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बयालसी महाविद्यालय जलालपुर में वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि के बाद कॉलेज प्रबंध समिति पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। शासन ने करीब 6 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रबंधक, अध्यक्ष और सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। यदि 15 दिनों के भीतर साक्ष्य के साथ संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए दोषियों को जेल भेजा जा सकता है। यह खुलासा रविवार को बयालसी महाविद्यालय बचाओ संघर्ष समिति द्वारा जलालपुर के मथुरा सिंह सभागार में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया गया। पूर्व विधायक हरेंद्र सिंह ने बताया कि कॉलेज की नींव स्व. ठाकुर समर बहादुर सिंह ने अपनी जमीन दान देकर रखी थी, लेकिन अब बाहरी और भ्रष्ट लोगों ने कॉलेज को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है।उन्होंने कहा कि सरकारी धन का जमकर बंदरबांट किया गया। पुराने भवन को कागजों में बार-बार नया दिखाकर करोड़ों की रकम स्वीकृत कराई गई। पुराने पंखों, मेंटेनेंस और मरम्मत कार्यों को फर्जी रूप से दिखाकर लाखों रुपये का गबन किया गया है।कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अलकेश्वरी सिंह ने बताया कि उनके प्रार्थनापत्र के आधार पर ही जांच शुरू हुई, जिसमें यह घोटाला सामने आया है। प्रबंध समिति ने सरकारी धन के साथ साथ- छात्र-छात्राओं से फॉर्म के नाम पर पांच-पांच सौ रुपये लिए, लेकिन उसका कोई हिसाब नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी बताया है कि घोटाले में फंसने की डर से बिना मेरे उपस्थिति के विद्यालय से दूर प्रबंध समिति का चुनाव कराकर एक नया अध्यक्ष बना दिया गया है। अध्यक्ष उन्हीं को बनाया गया है जिनके पति के ऊपर विद्यालय में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगा है। भाजपा नेता एवं समिति के सदस्य आमोद (रिंकू) सिंह ने कहा कि यह लड़ाई अब सिर्फ समिति की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की है। हजारों लोग इस मुहिम में साथ हैं और अब इन भ्रष्टाचारियों को जेल भेजकर ही चैन लेंगे। उन्होंने जिलाधिकारी एंव संबंधित उच्च अधिकारियों से मांग किया है कि जब तक मामला चल रहा है तब तक जिन पर आरोप की पुष्टि हुई है वह लोग विद्यालय परिसर में ना आए नहीं तो हम लोग बड़ा आंदोलन करेंगे।शासन द्वारा जारी धारा 57 और 58 के नोटिस में प्रबंध समिति को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे 15 दिनों के भीतर दस्तावेजों के साथ जवाब नहीं दिएं तो यह समझ जाएगा कि प्रबंधन समिति को इस संबंध में कुछ नहीं कहना है और उनके विरुद्ध अधिनियम के प्राविधानों के अनुसार विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।आपको बता दे की प्रबंध समिति को 11 जून 2025 को नोटिस भेजा गया है अब कुछ ही दिन नोटिस का जवाब देने के लिए बचा हैं।

विश्व रक्तदाता दिवस पर दो दर्जन से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रेडक्रास की ओर से आयोजित हुआ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विश्व रक्तदाता दिवस पर जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में दो दर्जन से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। डीएम/अध्यक्ष रेडक्रास सोसाइटी डा. दिनेश चंद्र सिंह और एसपी डा. कौस्तुभ ने फीता काटकर रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। डीएम डा. दिनेश चंद्र सिंह ने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है जो सबसे बड़ा दान है। रक्तदान कर हम तीन लोगों की जान बचा सकते हैं। सभी को इस सामाजिक कार्य में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए।नियमित रक्तदान करने से हार्ट अटैक का भी खतरा कम हो जाता है।

एसपी डा. कौस्तुभ ने कहा कि रक्तदान करने से किसी तरह की परेशानी नहीं होती है। रक्तदान करके आप किसी की जिंदगी बचा सकते हैं। रक्तदान करने से आप स्वस्थ रहते है रक्तदान पर किसी भी प्रकार की अफवाह को न सुने रक्तदान करें और दूसरों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि अधिक रक्तदान करने वाले लोगों को गणतंत्र दिवस पर सम्मानित किया जाएगा।

ब्लड बैंक में सुबह 10 बजे से रक्तदान करने के लिए लोग पहुंचने लगे थे। शाम तक इस रक्तदान का क्रम जारी रहा। मौके पर रेड क्रास सोसायटी के सचिव डा. मनोज वत्स, धनंजय सिंह, रोहित श्रीवास्तव, एस एन सिंह,प्रकांत दूबे,डॉ संदीप पांडेय,शशिकांत सिंह, नितेश श्रीवास्तव, नितिन आदि मौजूद रहे। रक्तदान में डॉ. ऋत्विक प्रताप सिंह, लैब टेक्नीशियन हृदय कुमार कुशवाहा, आलोक मणि त्रिपाठी ओम प्रकाश, चंद्र प्रकाश सिंह और काउंसलर शालिनी मौर्या ने सहयोग किया।

तीसरे दिन भी आमरण अनशन रहा जारी

रियाजुल हक, बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा रेलवे स्टेशन पर सटल एक्सप्रेस, मेमो व सराय हरखू रेलवे स्टेशन पर फरक्का, गंगा जमुना एक्सप्रेस रुकने को लेकर अमरनाथ साथी ने ग्रामीणों के साथ शासन से लगातार मांग की जा रही थी लेकिन शासन द्वारा अमरनाथ की मांगों को लेकर कोई सकारात्मक कार्य नहीं किया गया अमरनाथ साथी ने ग्रामीणों के साथ 13 तारीख से ब्लॉक बक्शा में बने महात्मा गाँधी प्रतिमा के सामने बैठ कर आमरण अनशन शुरू कर दिया है मेडिकल टीम द्वारा लगातार बीच में स्वास्थ परिक्षण की जा रही है अमरनाथ साथी का स्वास्थ बीच - बीच में खराब भी हो जा रहा है अभी तक प्रशासनिक कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं उपस्थित हुआ है ग्रामीणों में आक्रोश है जौनपुर बदलापुर के बीच किसी भी एक्सप्रेस का ठहराव नहीं है मौके पर संतोष अग्रहरि प्रदेश कोषाध्यक्ष युवा उद्योग व्यापार मंडल, पूर्व जिला अध्यक्ष जौनपुर ने अमरनाथ साथी का इस आंदोलन में पूर्ण समर्थन किया बक्शा प्रधान पुत्र अरुण कुमार मौर्या (मुन्ना) पवन अग्रहरि, संतोष गुप्ता, डिंपू, डॉ प्रमोद कुमार सैनी हर्षिता इंटरनेशनल दिव्यांग स्कूल बक्शा अखिलेश उपाध्याय, गुड्डू सिंह, संतोष सिंह हरिनाथ यादव, अवनीश उपाध्याय जिलेदार यादव विनय उपाध्याय जोखन मौर्या, अमन साथी, मखंचू गौतम, सलमान शेख, नीरज सिंह, शिवन सिंह विकास मौर्या आदि लोग शामिल रहे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 60,244 सिपाहियों को प्रदान किया नियुक्ति पत्र

कहा- एक साल के अंदर भारत हो जाएगा नक्सलवाद से मुक्त

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि सरकार अगले पांच साल में ऐसी व्यवस्था बनाने जा रही है जिससे हर नागरिक को प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के अंदर न्याय मिल सके। शाह ने यह भी दावा किया कि 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश पुलिस में 60,244 नवनियुक्त सिपाहियों को नियुक्ति पत्र वितरण के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, यह तीनों कानून मैं आज आप सबके सामने बोलकर जा रहा हूं कि पांच साल के अंदर देश में ऐसी व्यवस्था बन जाएगी कि कोई भी प्राथमिकी दर्ज हुई तो नागरिक को उच्चतम न्यायालय तक तीन साल के अंदर न्याय मिल जाएगा। उन्होंने कहा, सीसीटीएनएस, आईसीजेएस और फॉरेंसिक साइंस की सारी सुविधाओं और तकनीक के आधार पर न्याय को आगे बढ़ाने की व्यवस्था करनी है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल के कार्यकाल में देश सुरक्षित हुआ है। उन्होंने कहा, सबसे बड़ी बात है कि मोदी जी के 11 साल में देश सुरक्षित हुआ है। देश के 11 राज्यों में नक्सलवाद हुआ करता था। अब 11 सालों में 11 राज्यों में से नक्सलवाद तीन जिलों में बचा है। और मेरी बात याद रखना, 31 मार्च 2026 को यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। इस अवसर पर गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक ने 15 नवचयनित पुलिसकर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरण किये। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक और उनके तमाम मंत्रिमंडलीय सहयोगियों तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने हवाई अड्डे पर गृह मंत्री अमित शाह की अगवानी की। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने भी संबोधित किया।

करंट की चपेट में आकर टेंट का काम कर रहे युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के आराजी नेवादा गांव में शुक्रवार की शाम को करंट की चपेट में आकर टेंट हाउस में काम कर रहे 18 वर्षीय युवक की मौत हो गयी।घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंच गयी। उक्त गांव के निवासी बिशुन सिंह के घर पर बहु भोज का कार्यक्रम था। उसी कार्यक्रम में टेंट लगाने सजाने के काम चल रहा था। टेंट में काम कर रहे मंगल कश्यप पुत्र स्वर्गीय कमला कश्यप निवासी नेवादा थाना लाइनबाजार आया था। टेंट में काम करने के दौरान वह करंट की चपेट में आ गया।वह गिर कर अचेत हो गया।लोग उसे आनन फानन में जिला चिकित्सालय ले गये। वहां पर उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंचे एस आई सजंय कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से युवक की मौत

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पूरा मुकुंद निवासी रूपेश सिंह के करीब 24 वर्षीय पुत्र सत्यम सिंह उर्फ सब्बू रविवार की सुबह अपनी ट्रैक्टर पर माटी लादकर कहीं जा रहे थे वहीं गांव में करीब एक वर्षों से लटक रहे हाई टेंशन तार की चपेट मे आने से मौके पर भी उनकी दर्दनाक मौत हो गई। आस पास के लोगों के द्वारा आनन फानन में जिन्हें उपचार हेतु बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पर चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। उधर घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल पर पहुंची कोतवाली पुलिस के द्वारा शव को कब्जे में लेकर अन्य विधि कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा विद्युत विभाग पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग किए हैं। उनका कहना है कि पिछले करीब 1 वर्षों से हाई टेंशन तार लटक रहा था जिसको ठीक करने के लिए विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सूचित किया गया फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई जिसके चलते आज एक मासूम युवक की मौत हो गई।

नीट की प्रवेश परीक्षा में श्री गिरिजा शरण इण्टर कॉलेज मुर्खा डोभी जौनपुर के छात्र को मिली सफलता

चंदवक,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक डोभी थाना के अंतर्गत ग्राम बरौटी के निवासी रमेश सिंह के पुत्र गौरव सिंह नीट ऑल इंडिया रैंकिंग में 22130वां स्थान प्राप्त किया। गौरव सिंह ने अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया कि एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करने के बाद चिकित्सा के क्षेत्र में देश की सेवा करना चाहते हैं। इस उपलब्धि पर उनके पिता रमेश सिंह माता चंदा सिंह उनके गुरूजनवृन्द क्षेत्र के लोगों ने उन्हें बधाई दी। उनके द्वारा नीट प्रवेश परीक्षा पास होने पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर उत्पन्न हो गई। उनके घर बधाई देने वालों का तांता लग गया। इन्होंने इंटरमीडिएट की परीक्षा श्री गिरिजा शरण इण्टर कॉलेज मुर्खा डोभी जौनपुर से उत्तम अंक से पास की ।इनके पिता रमेश सिंह इसी विद्यालय मे अंग्रेजी के अध्यापक हैं। विद्यालय के प्रबंधन समिति व प्रधानाचार्य शैलेश कुमार सिंह सहित सभी अध्यापकों ने बधाई दी।

मड़ियाहूँ पुलिस ने एक आरोपी को तमंचा व जिन्दा कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मड़ियाहूँ पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित आरोपी को तमंचा व जिन्दा कारतूस के साथ किया गया गिरफ्तार। घटना का संक्षिप्त विवरण– थाना स्थानीय पर पंजीकृत म0अ0स0-71/ 2025 धारा 115(2)/ 352/ 109/ 3(5)/ 351 (2)/ 191(2) बीएनएस के प्रकरण में आरोपी द्वारा दिनांक 20.02.25 को औरैला में अपने दोस्तो के साथ दबदबा बनाने के लिये विश्वकर्मा बस्ती मे फायर किया था।गिरफ्तारी का विवरण,प्र0नि0 मड़ियाहूँ के नेतृत्व में मड़ियाहूँ पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-71/ 2025 धारा 115(2)/ 352/ 109/ 3(5)/ 351(2)/ 191(2) बीएनएस से संबंधित वांछित आरोपी संदीप उर्फ सावन गौतम पुत्र राजेश गौतम निवासी ग्राम रामपुरनदी थाना मड़ियाहूं जनपद जौनपुर को मुखबीर की सूचना पर आज दिनांक 15.06.2025 को समय 04.11 बजे गिरफ्तार किया गया जिसके पास से तमंचा व जिन्दा कारतूस बरामद हुआ । बरामदगी के आधार पर मु.अ.सं. 241/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय किया गया।

आकाशीय बिजली गिरने से बच्चों समेत चार की मौत

आम बीनने गए थे बाग में मरने वालों में दो सगे भाई

चंदवक,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र में रविवार की शाम काशीदासपुर गांव में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से तीन बच्चों की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब बच्चे आम के बगीचे में आम बीन रहे थे। मृतकों में दो सगे भाई भी शामिल हैं। बिजली गिरने की घटना से पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मरने वालो में अंश यादव, आशु यादव पुत्र राहुल यादव है जो सगे भाई थे वहीं आयुष यादव पुत्र अनिल यादव है।

सूचना मिलते ही चन्दवक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं। स्थानीय प्रशासन घटना की जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई कर रहा है। वहीं इसी थाना क्षेत्र के करनेहुआ गांव में भी आकाशीय बिजली गिरने से ब्रजेश राजभर 25 वर्ष की मौत हो गई है। मौत से परिजन में कोहराम मचा हुआ है।

साउंड की आवाज कम करने के लिए कहते ही मनबढ़ों ने महिला और उसके रिश्तेदार को लाठी डंडे से पीटा

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बकथरी गांव में तेज आवाज में बज रहे साउंड सिस्टम के आवाज कम करने के लिए कहने पर मनबढ़ो ने एक महिला और उसके रिश्तेदार को पीटकर घायल कर दिया। घटना की जानकारी होते ही मौके पर हल्के की पुलिस पहुच गयी। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बकथरी गांव में शनिवार की रात लगभग नौ बजे किशन और सतीश तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजा रहे थे। इसी दौरान पड़ोस की बाकी देवी ने जाकर उन लोगो से साउंड का आवाज कम करने के लिए कह दिया। इसी बात से सतीश और किशन आक्रोशित हो गए और बाकी देवी और उनके मड़ियाहूं निवासी रिश्तेदार अजय कुमार को डंडे से पीटकर घायल कर दिया। आरोप है कि जाते समय जान से मारने की धमकी भी दिया। घटना की सूचना पर मौके पर हल्के की पुलिस आ गयी। पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस से सीएचसी मुफ्तीगंज भिजवाया। थानाध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने पूछे जाने पर बताया कि साउंड का आवाज कम करने को लेकर युवकों ने महिला और उसके एक रिश्तेदार को मारपीट दिया। महिला द्वारा तहरीर देते ही बकथरी गांव के किशन, सतीश कुमार और राजा के विरुद्ध सम्बंधित धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

पुलिस ने घायल महिला की तहरीर पर तीन के विरुद्ध दर्ज किया केस

दबंगों ने फास्ट फूड चाइनीस की दुकान में तोड़फोड़ के बाद किया फायरिंग

◆ सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कोटवार चौराहा का मामला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के शनिवार की शाम लगभग 25 की संख्या में दबंगों ने लाठी डंडा लेकर कोटवार चौराहा पर शनिवार की शाम फास्ट फूड की दुकान पर तोड़फोड़ करते हुए फायरिंग कर दिया। बाजार मे दहशत बनाते हुए फरार हो गए। बाजार वासियों में दहशत बनी हुई है। कोटवार बाजार चौराहा पर शनिवार की शाम 25 की संख्या में बाइक सवार दबंग लोगों ने एक फास्ट फूड की दुकान पर लाठी डंडे पहुचे, फास्ट फूड की दुकान मे तोड़फोड़ करते हुए फरार हो गए। आप है कि जाते वक्त मां बड़ों ने दो फायरिंग भी किया। कोटवार बाजार वासियों में दहशत बना हुआ है। जानकारी के अनुसार शाम दुकानदार और कुछ लोगों में खाने-पीने को लेकर आपस में नोक-झोंक हाथापाई किए थे ।जिसको लेकर बाईक सवार मनबढो ने दहशत फैलाने के लिए ऐसा कदम उठाया है। घटना के दौरान लोगों ने धड़ाधड़ दुकान बंद कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छान-चीन में जुट गई।

लावारिश शव इंतजामिया कमेटी ने दफन करवाया 158वां शव, जलालपुर थाने से मिला था अज्ञात शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में मिलने वाले मुस्लिम लावारिश शव को दफन करवाने वाली कमेटी लावारिस शव इंतजामियां कमेटी ने जलालपुर थाने से मिला हुआ एक शव आज यहां हम्जा चिश्ती स्थित कब्रिस्तान पर दफन करवाया। शव के बारे में पुलिस विभाग के आरक्षी जिया नारायण पाटिल ने बताया कि यह शव जलालपुर के रेहटी हाइवे पर मिला था। हुलिया से अधेड़ प्रतीत हो रहा था जिसकी उम्र लगभग 45 साल होगी। शव को पोस्टमार्टम के बाद कमेटी को सौंपा गया। कमेटी के द्वारा पूरे मुस्लिम रीति रिवाज से इसे हजरत हम्जा चिश्ती स्थित कब्रिस्तान पर दफन करवाया गया। कमेटी के संस्थापक रियाजुल हक ने बताया कि लॉकडाउन के बाद से मुस्लिम शव को दफन करने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में यह 158वां शव था।इस मौके पर मुख्य रूप जिया नारायण पाटिल आरक्षी जलालपुर थाने से मौजूद रहे। वही कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मास्टर मास्टर मेराज एवं इम्तियाज सिद्दीकी का विशेष योगदान रहा। नमाज ए जनाजा हाफीज सलमान ने अदा कराई।वही कमेटी के अन्य सदस्यों का भी विशेष योगदान रहा।

तनाव से मुक्ति का बेहतर साधन है योग: पुलिस अधीक्षक

◆ सर्वोत्तम स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम साधन है योगः अजय कुमार अंबष्ट

ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह का प्रथम दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योग सप्ताह के अंतर्गत प्रथम दिवस पर जनपद के सभी ब्लाकों, तहसीलों, जिला मुख्यालय के साथ साथ सरकारी और निजी शैक्षणिक संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया।जिला प्रशासन की ओर से लोहिया पार्क में प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास किया गया। अपर ज़िलाधिकारी भू राजस्व अजय कुमार अंबष्ट और परियोजना निदेशक कृष्ण करुणाकर पांडेय के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके प्रोटोकॉल का शुभारंभ किया गया।भू राजस्व अधिकारी द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि वैश्विक स्तर पर सर्वोत्तम स्वास्थ्य के लिए योग से बेहतर कोई भी माध्यम नहीं है। इसलिए हर व्यक्ति को नियमित रूप से योग के क्रियात्मक और सैद्धांतिक पक्षों का अभ्यास निरन्तर करते रहना है। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि तनाव और अनिद्रा जैसी अनगिनत समस्याओं के समाधान में योगाभ्यास की अपनी महति भूमिका है और वैश्विक स्तर पर योग नें अपनी विशिष्ट पहचान बनाकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक वरदान साबित हुआ है।परियोजना निदेशक द्वारा बताया गया कि हर व्यक्ति को अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार ध्यान और प्राणायामों का अभ्यास नियमित रूप से करते रहना चाहिए।पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश के सह राज्य प्रभारी अचल हरीमूर्ति और अरविंद कुमार के द्वारा प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया। हरीमूर्ति के द्वारा योग के क्रियात्मक और सैद्धांतिक पक्षों का अभ्यास कराते हुए बताया गया कि यह योग का प्रोटोकॉल वैश्विक स्तर पर बनाया गया है। जिसे सभी भौगौलिक परिवेश के सभी अवस्थाओं के लोग बहुत ही आसानी से करके अनेकों समस्याओं से पूर्णतः समाधान प्राप्त कर सकते हैं। सर्वाइकल, स्पोंडलाइटिस, कमर, रीढ़ की हड्डी और कंधों से सम्बंधित समस्याओं से पूर्णतः निदान हेतु उनसे संबंधित सरल और सहज व्यायामों का अभ्यास कराते हुए खड़े होकर, लेटकर, पेट और पीठ के बल लेटकर किये जानें वाले वृक्षासन, ताड़ासन, त्रिकोणासन, मकरासन, भुजंगासनों का अभ्यास कराते हुए उनसे होने वाले लाभों को भी बताया गया। इसी क्रम में कपालभाति, अनुलोम-विलोम, नाड़ी शोधन, शीतली के साथ भ्रामरी और उद्गीथ प्राणायामों के साथ शव आसन को कराते हुए ध्यान का अभ्यास कराया गया। इस मौके पर जिला प्रशासन के कार्यक्रम संयोजक क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं युनानी अधिकारी डॉ कमल, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी शंभुनाथ, शशिभूषण यादव, डा.मनीषा अवस्थी, डा.विमल कुमार, डा.सुजीत श्रीवास्तव, डा.स्तुति साहनी, डा.अनिल सिंह के साथ योग प्रशिक्षक कुलदीप योगी, डा.हेमंत कुमार, अर्जुन सिंह, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, विकास यादव, जगदीश कुमार, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

◆ नियमित करें ध्यान और प्राणायामों का अभ्यासः कृष्ण करुणाकर पाण्डेय

नकली सीमेंट की फैक्टरी के पदार्फाश

गोरखपुर। बेलीपार के मड़वरियां कुआं चौकी के समीप नकली सीमेंट की फैक्टरी के फदार्फाश के बाद अब एसटीएफ के निशाने पर कई बड़े धंधेबाज हैं। एसटीएफ नकली सीमेंट बनाने वाले धंधेबाजों व इसमें संलिप्त लोगों की तलाश करते हुए उनकी सूची बना रही है। बताया जा रहा है कि एसटीएफ ने नौसड़ व मोतीराम में भी कई गोदाम चिह्नित किए हैं, जहां डैमेज सीमेंट की खेप भरी हुई है। यही नहीं चिलुआताल में आने वाली सीमेंट की रैक पर भी पैनी नजर है।

बेलीपार के मड़वरियां कुआं चौकी के समीप गोदाम में कंडम सीमेंट से अल्ट्राटेक व डालमिया कंपनी का सीमेंट बनाया जा रहा था। एसटीएफ ने 6 जून को पदार्फाश किया था। इस फैक्टरी में 200 रुपये प्रति बोरी कंडम सीमेंट लेकर उसे अल्ट्राटेक व डालमिया के बोरे में भरकर 400 रुपये प्रति बोरे के हिसाब से बेचा जाता था। नकली सीमेंट बनाने की सूचना पर पहुंची लखनऊ एसटीएफ ने फैक्टरी के मालिक समेत दो मजदूरों को मौके से गिरफ्तार कर जेल भिजवाया दिया था। इसके बाद एसटीएफ की गोरखपुर यूनिट नकली सीमेंट बनाने वाले आरोपियों पर नकेल कसना शुरू कर दिया। फैक्टरी में बरामद नकली सीमेंट को बरामद कर कार्रवाई करने के बाद एसटीएफ जिले में संचालित कई फैक्टरियों के बारे में जानकारी लेते हुए उसका संचालन करने वालों की लिस्ट बनाने में जुट गई। एसटीएफ को सूचना मिली है कि नौसड़ व मोतीराम में कई गोदाम ऐसे हैं, जहां से डैमेज माल की सप्लाई होती है। एसटीएफ की मानें तो चिलुआताल में आने वाली सीमेंट की रैक पर पैनी नजर है। जहां रैक से भी डैमेज माल की खेप आने की सूचना है। जहां डैमेज माल का उठाव भारी मात्रा में होता हैं। इस संबंध में एसटीएफ गोरखपुर यूनिट के प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि जिले में नकली सीमेंट बनाने का धंधा तेजी से फल फूल रहा है। इस पर पूरी तरह लगाम लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि बड़े कारोबारी व क्षेत्र में संचालित फैक्टरी की लिस्ट तैयार की जा रही है।

पीएम मोदी 20 जून को आएंगे सीवान के जसौली में, महाराजगंज में तैयारियों की हुई समीक्षा बैठक

सिवान (उत्तरशक्ति)। 20 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिवान के जसौली गांव में आ रहे हैं। जहां वे विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इसकी तैयारी बैठक शनिवार को महाराजगंज के एक मैरेज हॉल में की गई . जिसमें सूबे के विधि व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे , बिहार के पूर्व खेल व संस्कृति मंत्री सह वर्तमान महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल के अलावा जिले के अन्य गण्यमान्य नेताओं ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की .कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मंत्री मंगलपंडाय ने कहा खुशी की बात है इस दौरान सीवान को कई योजनाओं की भी घोषणा करेंगे.इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री की सिवान में जनसभा न भूतो न भविष्यति जैसी होगी। इसके लिए पार्टी का एक एक कार्यकर्ता उत्साहित होकर लगा है। सभी को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने कहा बिहार में चुनावी साल में प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम से बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को काफी उम्मीद है। चुनावी माहौल बनाने में पार्टी कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। ऐसे में बीजेपी की जिला और राज्य स्तरीय टीम सक्रिय है। जसौली ग्राउंड में दिन रात काम चल रहा है। जहां देर रात तक जिला प्रशासन और पार्टी के पदाधिकारी तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं।

रैली होगी ऐतिहासिकः

प्रधानमंत्री की जनसभा को ऐतिहासिक बनाने की जिम्मेदारी पार्टी के छोटे से लेकर बड़े नेताओं ने उठाई है। इसमें अधिक से अधिक लोगों को आमंत्रित करने के लिए पार्टी विशेष अभियान चला रही है। सारण प्रमंडल के सभी 24 विधानसभा क्षेत्रों से लोगों को बुलाने के लिए रणनीति तैयार किया जा रहा है। यही वजह है कि बिहार सरकार की मंत्री मंगल पांडे पिछले तीन दिनों से जिले में कैंप किए हैं। मंगल पांडे जी और मैं शहर के कई मोहल्लों में जनसम्पर्क कर लोगों को प्रधानमंत्री की जनसभा के लिए

लोगों को निमंत्रित किया

इसके साथ ही गोपालगंज मोड़ से सिवान सदर विधानसभा क्षेत्र के लिए भी प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। इससे पूर्व उन्होंने बीजेपी के जिला कार्यालय से पार्टी का झंडा दिखा कर 10 प्रचार रथों को अलगझ अलग विधानसभा क्षेत्रों में रवाना किया है।

सांसद सीग्रीवाल ने कहा प्रधानमंत्री की जन सभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी शामिल होंगे। कहा कि हम सब इस सभा के माध्यम से प्रधानमंत्री का स्वागत करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी प्रधानमंत्री बिहार को विकास का सौगात देने वाले हैं। बिहार सरकार के सारण प्रमंडल के सभी मंत्री और प्रदेश स्तर के नेता पीएम की कार्यक्रम के लिए लगातार बैठक कर रहे हैं। इस दौरान हर विधानसभा में बैठक हो रही है। बैठक में मंत्री मंगल पांडे, सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल, सीवान जिला बीजेपी संगठन पूर्वी के अध्यक्ष रणजीत कुमार, जदयू के पूर्व विधायक हम नारायण साह, जदयू नेता डॉ अभय कुमार सिंह,जिला मंत्री अवधेश पांडेय, महाराजगंज बीजेपी के नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, दिलीप कुमार सिंह,चंदन दुबे, मोहन कुमार पद्माकर, बीजेपी नेत्र सुप्रिया कुमारी, मिथलेश कुमार सिंह अधिवक्ता, उदय जी महाराज,चंदन राम, नागेंद्र सिंह, त्रिपुरारी शरण, अजय कुमार सिंह, आत्मा कुमार सिंह, आदि हजारों कार्यकर्ता शामिल थे।

सीबीआई ने सहायक अधीक्षक और ग्रामीण डाक सेवक को किया अरेस्ट

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। सीबीआई की टीम ने डाक विभाग के सहायक अधीक्षक, हेडक्वार्टर संजय सिंह और ग्रामीण डाक सेवक (असिस्टेंट ब्रांच पोस्ट मास्टर) आत्मा गिरी को 20 हजार रुपये घूस लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई के छापे और कार्रवाई से डाक विभाग के अफसरों और कर्मियों में हड़कंप की स्थिति रही। लखनऊ स्थित सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच में मड़ैया, रग्घूपुर निवासी धनेश वर्मा ने शुक्रवार को शिकायत की थी। धनेश ने बताया कि वह उप डाकघर सेवापुरी में आधार कार्ड बनाने के लिए कार्यवाहक एमटीएस के रूप कार्यरत हैं। गत 13 मार्च को उनके एसडीआई दिलीप पांडेय छुट्टी पर थे। उनका चार्ज सहायक अधीक्षक हेडक्वार्टर संजय सिंह के पास था। संजय सिंह 13 मार्च को उप डाकघर सेवापुरी आए। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड का रजिस्टर लाओ। सब कुछ देखने के बाद जाते समय वह उनका आधार कार्ड रजिस्टर ले गए। 15 मार्च को संजय सिंह के समक्ष जाकर उन्होंने रजिस्टर वापस देने के लिए अनुरोध किया। संजय सिंह ने रजिस्टर वापस करने और कार्रवाई न करने के बदले में 20 हजार रुपये घूस मांगा। धनेश ने कहा कि उन्होंने संजय सिंह से कहा कि अभी पैसा नहीं है। बाद में पैसा देने की बात कहकर वह अपना आधार रजिस्टर ले आए। छह जून को उनके सहायक अधीक्षक रविंद्र साहू छुट्टी पर थे और चार्ज संजय सिंह के पास था। उसी दिन संजय सिंह और आत्मा गिरी उप डाकघर सेवापुरी आए। दोनों ने मार्च के प्रकरण का हवाला देते हुए 20 हजार रुपये जबरदस्ती ले लिया। साथ ही, आधार रजिस्टर भी लेकर चले गए। आठ जून को संजय सिंह ने व्हाट्स एप कॉल कर धमकी दी। कहा कि रजिस्टर तभी वापस करेंगे और आगे कार्रवाई नहीं करेंगे, जब 50 हजार रुपये और दोगे। आत्मा गिरी ने भी संजय सिंह के लिए 50 हजार रुपये की मांग की। आत्मा गिरी ने संजय सिंह को घूस न देने की स्थिति में अंजाम भुगतने की धमकी दी। धनेश ने कहा कि वह संजय सिंह को घूस नही देना चाहते हैं। धनेश वर्मा के प्रार्थना पत्र पर लखनऊ स्थित सीबीआई के एंटी करप्शन ब्रांच की डीआईजी व प्रमुख शिवानी तिवारी ने केस दर्ज कर कार्रवाई का निर्देश दिया।

बशीरपुर में लाठी की पिटाई में शराब का दुकान मालिक गंभीर

शराब का ठेका बना जी का जंजाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के बशीरपुर गाव में शनिवार की देर रात शराब की दुकान के मकान मालिक को गाव के दबंगो ने लाठी और डंडे से मारपीट का गम्भीर रूप से घायल कर दिया । आशीष कुमार पुत्र उदयराज निवासी बसीरपुर इनके मकान में देशी शराब का ठेका खुला है। मकान मालिक ने गांव वालो के खिलाफ कुछ दिनों पहले तहरीर तहरीर दी थी कि कुछ लोग हमें दुकान न देने को कह रहे है,मुझे मारने पीटने की धमकी दे रहे है। शाम को जफराबाद थाना का चौपाल कार्यक्रम था उसमे आशीष कुमार ने कहा कि गाव के कुछ लोग धमका रहे है मारपीट सकते है। उसी में से कोई यह बात सुन लिया और यह बात उन लोगो को नागवार लगी है। चौपाल खत्म होने पर रामदवर ने आशीष को बुलाया की आओ घर पर बातचीत करके सबको समझा दिया जाएगा । जैसे ही आशीष उनके घर गया वैसे वहां पर खड़े कुछ लोगो ने लाठी डंडे से मारने लगे आशीष के सर पर चोट आई और घायल हो गया मौके पर पहुची पुलिस ने आशीष कुमार का जिलाअस्पताल में इलाज करवाया थाना प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़ित के तहरीर पर चार लोगों को नामजद मुकदमा लिख दिया गया पुलिस ने 3 को गिरफ्तार कर लिया है एक कि गिरप्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है जगह जहाज दबिश दी जा रही है ।गिरफ्तार अभियुक्तों में गोरख पुत्र कल्लू निवासी , सन्तोष पुत्र रामदवर कल्लू पुत्र सन्तोष निवासी बशीरपुर है। ज्ञात हो कि बीते 2 फरवरी को देशी शराब की दुकान पर बवाल हुआा था । तोड़पोड आगजनी और गोलियां चली थी जिसमे प्रधान पर गोली चलाने का आरोप लगा और गाव में कई दिन पीएसी लगानी पड़ी थी ।

जौनपुरः सड़क हादसे में तीन की हुई मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के बक्शा थाना क्षेत्र में शनिवार व रविवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में ऑटो चालक, एक महिला यात्री व बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई।जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है।रियाजुल की जानकारी के अनुसार, पहला हादसा शनिवार सुबह करीब 9 बजे बक्शा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ गांव के पास हुआ।जहां सवारी से भरी ऑटो को पीछे से तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे ऑटो पलट गया और उसमें सवार देवचंदपुर निवासी 60 वर्षीय सोमारी देवी व ऑटो चालक सुभाषचंद्र उपाध्याय (58) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल और फिर लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। वही दूसरी घटना रविवार दोपहर उक्त थाना क्षेत्र के ही उटरुकला गांव स्थित राजा ढाबा के पास हुई, जहां जौनपुर की ओर जा रहे बाइक सवार विपिन यादव (35) और महेन्द्र कुमार यादव (34) को अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में विपिन की मौके पर ही मौत हो गई।जबकि महेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने दोनों घटनाओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग, गंगा तट पर दिखा आध्यात्म और स्वास्थ्य का संगम

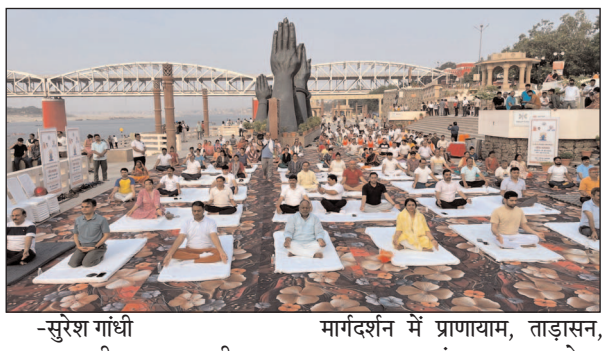

-सुरेश गांधी

वाराणसी। एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के मंत्र के साथ अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह का भव्य शुभारंभ रविवार सुबह वाराणसी के नमोघाट से हुआ। गंगा किनारे सूर्योदय की पवित्र बेला में आयोजित इस आयोजन में जिले की राजनीति, प्रशासन और आमजन का अभूतपूर्व समागम देखने को मिला। कार्यक्रम स्थल को रंग-बिरंगे पोस्टरों, योग करें, निरोग रहें, एक भारत श्रेष्ठ भारतह्व जैसे संदेशों से सजाया गया था। खास यह है कि नामो घाट पर मौजूद सभी ने योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्राणायाम, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम सहित कई योग मुद्राएं कर अपने दिन की शुरूआत योग के साथ की। यह योगाभ्यास केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि और एकात्म भाव का प्रतीक बना।

सामूहिक योगाभ्यास में जुटे जनप्रतिनिधि व अधिकारी

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, बीजेपी जिलाध्यक्ष व एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, एमएलसी धर्मेंद्र सिंह, विधायक नीलकंठ तिवारी, मंडलायुक्त एस. राजलिंगम, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल, नगर निगम के अधिकारी, पुलिस प्रशासन, शिक्षक, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने, दूसरों को योग के लिए प्रेरित करने तथा नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए संकल्प लिया।

योग भारत की विश्व को देन : एस रालिंगम

कार्यक्रम के दौरान मंडलायुक्त एस रालिंगम ने योग की उपयोगिता और उसके वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, यह भारत की आत्मा है। आज जब दुनिया पर्यावरण, स्वास्थ्य और मानसिक तनाव से जूझ रही है, तब योग एक सशक्त समाधान बनकर उभरा है। योग को जन-जन तक पहुँचाना ही मोदी सरकार की प्रतिबद्धता है और वाराणसी इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

नगर आयुक्त के द्वारा बाबतपुर मार्ग का देर रात किया गया निरिक्षण

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने बीती रात नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अंबेडकर पार्क कचहरी से बाबतपुर हवाई अड्डा तक सड़क मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उनका मुख्य उद्देश्य मार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइटों और हरियाली के लिए लगाए गए पौधों की स्थिति की जांच करना था।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने अंबेडकर पार्क कचहरी, भोजूबीर तहसील, अतुलानंद चौराहा, तरना, हरहुआ, बाबतपुर और बाबतपुर अंडरपास तक की सड़कों पर लगे मार्ग प्रकाश और जी-20 के तहत लगाए गए पौधों का जायजा लिया। उन्होंने पाया कि कई स्थानों पर पौधे खराब हो गए हैं या धूप के कारण सूख गए हैं। साथ ही, कुछ स्ट्रीट

लाइटें भी बंद पाई गईं। नगर आयुक्त ने संयुक्त नगर आयुक्त कृष्ण चंद्र को निर्देश दिए कि सभी खराब या सूखे पौधों को तत्काल हटाकर नए पौधे लगाए जाएं। इसके अलावा, अधिशाषी अभियंता मार्ग प्रकाश अजय कुमार सक्सेना को बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तुरंत ठीक करने या बदलने का आदेश दिया गया।

निरीक्षण देर रात 12 बजे तक चला। इस दौरान संयुक्त नगर आयुक्त कृष्ण चंद्र, मुख्य अभियंता मोइनुद्दीन, अधिशासी अभियंता अजय कुमार सक्सेना और उद्यान अधीक्षक वीके सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने कहा कि शहर की सड़कों को सुंदर और सुरक्षित बनाने के लिए इस तरह के निरीक्षण नियमित रूप से किए जाएंगे, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सके।

सड़क हादसे में बीएसएफ जवान सहित तीन की मौत, एक की हालत नाजुक

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजार्मुराद थाना क्षेत्र अंतर्गत कछवा रोड के निकट स्थित ओवरब्रिज पर शनिवार को एक सड़क हादसे में कार सवार बीएसएफ जवान सहित तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। प्रयागराज के सरायइनायत थाना क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी बीएसएफ के जवान अमन यादव, झुंसी के फैजल, अरबाज व विनय झुंसी से कार में सवार होकर वाराणसी आ रहे थे।तेज रफ्तार कार मिजार्मुराद कछवा रोड के पास स्थित ओवरब्रिज के समीप जैसे ही पहुंची अचानक ओवरटेक करने के प्रयास में पीछे से आ रहे ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलटते हुए सर्विस रोड पर जा गिरी। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य घायलों को पुलिस ने बीएचयू ट्रामा सेंटर भिजवाया। जहां इलाज के दौरान दो घायलों की मौत हो गई।कछवा रोड चौकी प्रभारी ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त बीएसएफ जवान अमन यादव, झुंसी के फैजल, अरबाज के रूप में हुई। वहीं अस्पताल में विनय की भी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मृतकों और घायल के परिजनों को दे दी गई है। क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से हाइवे पर से हटवा कर यातायात बहाल कराया गया।

बिजली गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज के बारा व शंकरगढ में दो जगह बिजली गिरने से एक परिवार के चार लोगों समेत पांच की मौत हो गई। बारा के सोनवर्षा गांव में दंपती व दो मासूम बेटियों जबकि शंकरगढ़ के कल्यानपुर गांव में युवक की जान चली गई। वहीं, एक अन्य मृतक की पत्नी भी झुलस गई है। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

सोनवर्षा गांव के हल्ला बोल मजरे में मुसहर समुदाय के वीरेंद्र बनवासी (35) अपने परिवार के साथ झोपड़ी में सो रहे थे। रात करीब 12 बजे हल्की बारिश होने लगी। इसी दौरान झोपड़ी पर बिजली गिर गई और इसकी चपेट में आने से भीतर सो रहे वीरेंद्र, उनकी पत्नी पार्वती (32), बेटियों राधा (तीन) और करिश्मा (दो) की मौके पर ही मौत हो गई। झोपड़ी पूरी तरह राख हो गई और शव भी बुरी तरह झुलस गए। उधर, कल्यानपुर गांव में बिजली गिरने से अक्षय कुमार (30) पुत्र कृष्णा आदिवासी की मौत हो गई। जबकि, उसकी पत्नी कुसुम (28) गंभीर रूप से झुलस गई। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजकर इलाज कराया गया। रविवार को उप जिलाधिकारी बारा संदीप तिवारी अन्य अफसरों संग घटनास्थलों पर पहुंचे और स्थलीय निरीक्षण किया। बताया कि मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये दैवीय आपदा कोष से दिए जाएंगे। सोनवर्षा गांव के मृतक के परिजनों को एक आवास भी दिलाया जाएगा। दंपती की जीवित बचीं दोनों बेटियों को महिला एवं बाल विकास विभाग की योजना के अंतर्गत बालिग होने तक छात्रवृत्ति प्रदान कराई जाएगी। कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा जा रहा है। उधर, घटना की जानकारी पर विधायक बारा डॉ. वाचस्पति भी दोनों गांवों में पहुंचे। पीड़ित के परिजनों से मुलाकात कर कहा कि सरकार उनके साथ है। हरसंभव मदद की जाएगी। बारा में बिजली गिरने से मृत वीरेंद्र की दो बेटियां सोन कुमारी (आठ) और आंचल (छह) इस हादसे में बाल-बाल बच गईं। दादा ने बताया कि कुछ घंटे पहले ही दोनों बगल में स्थित दूसरे घर में उनके पास चली आई थीं।

औरंगाबाद पटना सड़क के फोर लेन मसले का शीघ्र होगा समाधान - गडकरी

औरंगाबाद (उत्तरशक्ति)। दक्षिण बिहार की जीवन रेखा मानी जाने वाले औरंगाबाद.पटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 139 को फोरलेन करने की मांग को लेकर वर्षों से उठती रही आवाज अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। केंद्रीय सड़कए परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए इसके समाधान का स्पष्ट आश्वासन दिया। यह मौका था नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित संवाद व डिनर काए जहां देशभर से चुनिंदा संपादकों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान नवबिहार टाइम्स के प्रधान संपादक कमल किशोर ने श्री गडकरी का ध्यान एनएच.139 को फोर लेन करनेए तत्काल उसकी जर्जर स्थिति और इस सड़क पर वाहनों के बढ़ते दबाव की ओर आकर्षित किया। कमल किशोर ने कहा कि यह राजमार्ग न केवल बिहार के अरवल और औरंगाबाद जिलों को बल्कि झारखंड के पलामूए लातेहारए रांची और छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों सहित कुल पांच राज्यों की करोड़ों की आबादी को राजधानी पटना से जोड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 18 से 19 हजार यात्री वाहन गुजरते हैंए जबकि फोरलेन की मानक सीमा 15 हजार वाहनों की है। ऐसी रिपोर्ट जिला प्रशासन की ओर से सरकार को भेजी गयी है। उन्होंने मंत्री को यह भी अवगत कराया कि सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं और यात्रियों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ता है। यह न केवल यातायात की दृष्टि से बल्कि क्षेत्रीय विकास और आर्थिक गतिविधियों के लिए भी बड़ा संकट बना हुआ है। श्री गडकरी ने पूरी गंभीरता से बातचीत को सुना और भरोसा दिलाया कि औरंगाबाद. पटना सड़क एनएच.139 को फोरलेन किए जाने के मसले का शीघ्र समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा उनके संज्ञान में है और वे जल्द ही इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई करेंगे। इस संबंध में औरंगाबाद से चार बार सांसद रहे सुशील कुमार सिंह ने भी लगातार उनका ध्यान आकृष्ट कराया है। नई दिल्ली में देश के चुनिंदा संपादकों के साथ संवाद कार्यक्रम में बिहार और झारखंड के लाखों लोगों की समस्या को उजागर करने की कमल किशोर की इस पहल को स्थानीय लोगों ने सराहा है।

नीट के परिणाम में शाहगंज की होनहार बिटिया समृद्धि ने लहराया परचम

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कल शाम को नीट का परीक्षा परिणाम आते ही नगर में हलचल सी मच गई और चारों तरफ खुशी की लहर सी छा गई और खुशी हो भी क्यों न।मौका था नगर की होनहार बिटिया समृद्धि अग्रहरि की नीट के परीक्षा परिणाम में सफल होने का।नगर की अनेकों सामाजिक संस्थाओं के संरक्षक व वरिष्ठ समाजसेवी मनोज अग्रहरि (मनोज ड्रेसेज) एवं नूपुर गुप्ता की सुपुत्री समृद्धि अग्रहरि ने नीट के परीक्षा के ऑल इंडिया रैंक में 7786 एवं कैटगरी रैंक में 3613 वां स्थान प्राप्त करके जौनपुर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। समृद्धि को 720 में से 562 अंक मिले हैं। बातचीत में उन्होंने अपनी सफलता का सारा श्रेय अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया। एक बड़े भाई और एक छोटे भाई के साथ ही पली बढ़ी समृद्धि बचपन से ही पढ़ाई में अत्यंत कुशाग्र एवं तीव्र बुद्धि की थी। उसकी इस उपलब्धि से संपूर्ण क्षेत्र में खुशी की लहर व्याप्त है।परीक्षा परिणाम घोषित होने की सूचना प्राप्त होते ही उनके पिता मनोज अग्रहरि (मनोज ड्रेसेज) के आवास पर सुबह से ही बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।बिटिया की सफलता से पूरे नगर एवं परिवार में हर्षोल्लास एवं हर्ष का माहौल है। तथा परिजन एवं शुभचिंतक मिठाई बाट कर खुशी का इजहार कर रहे हैं। मेधावी बिटिया समृद्धि बचपन से ही होनहार बुद्धि की थी,और बहुत कम उम्र में मिली इस सफलता से पूरा परिवार जश्न के माहौल में है। विशेष बातचीत में बिटिया के माता-पिता नूपुर गुप्ता एवं मनोज अग्रहरि ने बताया की बिटिया बचपन से ही पढ़ाई में विशेष ध्यान देती थी और शुरू से ही उसका लक्ष्य नीट का था । वहीं माता नूपुर गुप्ता ने बताया कि एक मां के लिए इससे बड़ी खुशी और कुछ हो ही नहीं सकती है।

गांव पहुंचा शहीद का पार्थिव शरीर, भारत माता के जयकारे से गूंज उठा

कुशीनगर (उत्तरशक्ति)। देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सुकरौली क्षेत्र के रामपुर सोहिरौना गांव के रहने वाले वीर सपूत शहीद सत्यवान कुमार सिंह का पार्थिव शरीर रविवार जैसे ही जिले की सीमा रामपुर पहुंचा। पूरा इलाका शहीद सत्यवान अमर रहें और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। इस दौरान हर आंख नम थी और हर चेहरा गर्व व दुःख से भरा हुआ था। गांव के समीप बागीचे में पूरे राजकीय सम्मान के साथ शहीद को अंतिम विदाई दी गई। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। सत्यवान की शहादत की खबर के बाद से गांव में शनिवार से ही किसी घर में चूल्हा नहीं जला। उनके अंतिम दर्शन के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी। देशभक्ति से लबरेज माहौल और शोक की गहराई ने हर किसी को भावविभोर कर दिया। सुकरौली ब्लाक के रामपुर सोहरौना गांव के रहने वाले सीआरपीएफ सब इंस्पेक्टर सत्यवान कुमार सिंह शनिवार की सुबह झारखंड में हुए नक्सली हमले में शहीद हो गए। उनके शहादत की खबर जैसे ही गांव पहुंची कोहराम मच गया। गांव के आस-पास के लोग उनके घर पहुंच गए। सुबह से आस-पास के गांव के युवाओं की दरवाजे पर भीड़ जुटने लगी थी। हाथ में तिरंगा लेकर बाइक सवार युवक हाईवे से लेकर गांव तक भारत माता और जब तक सूरज चांद रहेगा तब तक सत्यवान भईया तेरा नाम रहेगा का नारा लगाते नजर आए।

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ

सुविधाएं- अल्ट्रासाउण्ड, ई.सी.जी., एक्स-रे, पैथोलॉजी,सी0टी0जी0 मशीन, कालपोस्कोपी, फेक्चर, गठिया. कमर. दर्द. ऑथरार्डीटिस. फिजियोथिरैपी. कल्हा प्रत्यारोपण
सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन, ट्यूमर का ऑपरेशन, नसबन्दी इत्यादि।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की सुविधा उपलब्ध
प्रत्येक गुरुवार निःशुल्क ओ0पी0डी0
संपर्क करें- 6390303050
हड्डी रोग विभाग | स्त्री एवं प्रसूति विभाग
प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का इलाज पूर्णतया निःशुल्क। इलाज के दौरान दवा, जाँच जैसे कि एक्स-रे हत्यादि पूर्णतया निःशुल्क
पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर

त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
पीडियाट्रिक्स
डी.एम. नियोनेटोलॉजी
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग लकवा
पैरालाइसिस, निमोनिया, लीवर,
डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर
मलेरिया, डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी, नसों में शून्नपन
मस्तिष्क ज्वर, पीलिया, हेपेटाईटिस बी.,
ल्यूकोरिया, खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन
स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा नवजात शिशु, बच्चों एवं व्यस्को का निःशुल्क इलाज।
पूर्वांचल के एक मात्र सुपरस्पेसिलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ

पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर | 05452-356274, 7992031213, 9026551423 | YouTube @TribhuvanSinghMemorialHospital